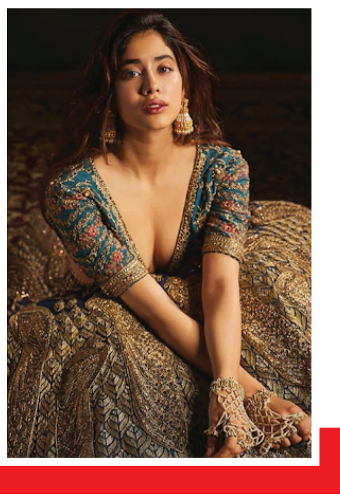

खबर जो सत्य उगले...

प्रचण्ड समय

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष-5, अंक-27, पृष्ठ-8, मूल्य- 6 रुपए

आरएनआई नंबर- एचपीएचआईएन/2019/79889

संपादक - अश्वनी वर्मा

70180-86211

prachandsamay.com

हिमाचल का सबसे तेज बढ़ता अखबार

सुविचार

"जो आपको दुखी करता है वह एकमात्र पाप है। जो आपको अपने आप से दूर ले जाता है, केवल उसी से बचना चाहिए।"

बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया... पेज-8

मुख्यमंत्री ने कुल्लू में 198 करोड़ रुपये लागत की... पेज-6

शिमला, मंगलवार, 02 जनवरी, 2024

प्रचण्ड समय **स्कैंडल सीरियल**

लेखक अश्वनी वर्मा

भाजपा से छीनती कांग्रेस सरकार हाटी का मुद्दा

हिमाचल की सुखविन्द्र सिंह सुक्खू सरकार ने हाटी को जनजातीय क्षेत्र घोषित कराने का मुद्दा भाजपा से बड़ी होशियारी से छीन लिया है। केन्द्र ने सिरमौर जिले के गिरीपार क्षेत्र को जनजातीय क्षेत्र घोषित कर दिया था। लेकिन सुक्खू सरकार की तरफ से इसके बारे में अधिसूचना जारी नहीं की गई थी। जिस कारण शिलाई के विधायक और मंत्री हर्षवर्धन की किरकिरी भी होने लगी थी। कहा जाने लगा था कि इस अधिससूचना में देरी का कारण हर्ष वर्धन ही हैं। पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने नए साल पर इसकी अधिसूचना जारी करने का ऐलान करके भाजपा को ही बैकफुट पर धकेल दिया है। मुख्यमंत्री का कहना था कि हमने पहले ही कहा था कि कुछ स्पष्टीकरण केन्द्र से मांगे गए हैं। जैसे ही केन्द्र इन स्पष्टीकरण पर गौर फरमाता है। हम भी अधिसूचना जारी कर देंगे। केन्द्र से जवाब आने के 24 घंटे के अंदर हमने अधिसूचना को जारी कर दिया। जिससे हाटी को लेकर हमारी मन्शा भी साफ है। मुख्यमंत्री अब सिरमौर जिले के 3 जनवरी का दौरा करके लोगों के पास जा कर अपना पक्ष रखेंगे। यानी अब इस मुद्दे पर राजनीति करने की बारी कांग्रेस की है।

सुक्खू सरकार लोकसभा चुनाव मोड पर

हिमाचल की सुक्खू सरकार लोकसभा चुनाव मोड पर नजर आने लगी है। मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज खुद ऐलान किया है कि हिमाचल सरकार 8 जनवरी से एक कार्यक्रम सरकार गांव के द्वार शुरू कर रही है। यह कार्यक्रम 8 जनवरी से शुरू हेकर 12 फरवरी तक चलेगा। इन कार्यक्रमों में संबंधित विधायक तो मौजूद रहेंगे ही, मंत्री भी इनमें शिरकत करते नजर आएंगे। गांवों में लोगों के घर द्वार पर उनके काम निपटाए जाएंगे। लोकसभा चुनावों से ठीक पहले 35 दिन का यह कार्यक्रम जाहिर करता है कि सरकार लोगों के बीच रहकर लोकसभा चुनावों के लिए अपने हक में जमीन तैयार करेगी। लोकसभा चुनावों के लिए जमीन तैसार करने का इससे बढ़िया समय कोई हो भी नहीं सकता। क्योंकि 12 फरवरी के बाद किसी भी समय हिमाचल विधानसभा का बजट सत्र शुरू हो सकता है। उसके बाद लोकसभा चुनावों की आचार संहिता और फिर तो सीधे लोकसभा चुनावों में कूदने का ही समय बचेगा। लोगों में सरकार के कार्यों को रखने का 35 दिन का यह समय बड़ी सोच समझ के साथ चुना हुरू लगता है।

हाटी समुदाय को मिला जनजातीय दर्जा, सुक्खू सरकार ने जारी की अधिसूचना

अश्वनी वर्मा . शिमला

जिला सिरमौर के ट्रांसगिरी क्षेत्र के हाटी समुदाय को जनजातीय दर्जा मिल गया है। प्रदेश में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सुक्खू सरकार ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। हाटी को एसटी का दर्जा देने को लेकर केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण मिलने के बाद सुक्खू सरकार ने यह निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने नए साल के पहले दिन सोमवार को कैबिनेट बैठक के बाद सचिवालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार से इस मुद्दे पर पत्र लिखकर स्पष्टीकरण मांगा गया था। केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण मिलने के 10 घण्टे के भीतर कैबिनेट ने हाटी समुदाय को जनजातीय दर्जा देने का फैसला लिया है।उन्होंने कहा कि वह 3 जनवरी को नाहन का दौरा कर वहां के लोगों से इस विषय पर बात करेंगे। हाटी समदुाय लंबे समय से जनजातीय दर्ज की मांग कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मामला केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र का था। केंद्र से आई अधिसूचना में त्रुटि के कारण प्रदेश सरकार हिमाचल में केंद्र की अधिसूचना को लागू नहीं कर पा रही थी।

ऐसे में प्रदेश सरकार ने केंद्र से स्पष्टीकरण मांगा था। इसके बाद जैसे ही केंद्र से स्पष्टीकरण आया तो प्रदेश सरकार ने बिना देरी के हाटी समुदाय को जनजाति दर्जा देने को लेकर अधिसूचना जारी कर दी।

बता दें कि ट्रांसगिरी क्षेत्र में हाटी समुदाय के लोग 1967 से उत्तराखंड के जौनसार बाबर को जनजाति दर्जा मिलने के बाद से संघर्षरत थे। लगातार कई वर्षों तक संघर्ष के बाद केंद्रीय कैबिनेट ने हाटी समुदाय की मांग को 14 सितंबर 2022 को अपनी मंजूरी दी थी। उसके बाद केंद्र सरकार ने 16 दिसंबर 2022 को इस बिल को लोकसभा से पारित करवाया। उसके बाद यह बिल राज्यसभा से भी पारित हो गया। राज्यसभा से पारित होने के बाद सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद इसे राष्ट्रपति के लिए भेजा गया था। 9 दिनों में ही राष्ट्रपति ने विधेयक पर लगाई मुहर लगा दी थी।

हाटी समुदाय में करीब 2 लाख लोग 4 विधानसभा क्षेत्र शिलाई, श्रीरेणुकाजी, पच्छाद तथा पांवटा साहिब में रहते हैं। जिला सिरमौर की कुल 269 पंचायतों में से ट्रांसगिरी में 154 पंचायतें आती हैं। इन 154 पंचायतों की 14 जातियों तथा उप जातियों को एसटी संशोधित विधेयक में शामिल किया गया है।

दिव्यांग बच्चों को दिलाएंगे बेहतरीन शिक्षा, योजना को मंजूरीः सुक्खू

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सुक्खू सरकार ने नए साल के पहले दिन आयोजित की गई कैबिनेट बैठक में दिव्यांग बच्चों की शिक्षा के लिए योजना लाने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चों की पढ़ाई के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की गई है, जिससे यह बच्चे शिक्षा से वंचित न रहे अपितु स्कूली शिक्षा के साथ ही उच्चतम शिक्षा की ओर भी सरकार इन्हें सुविधाएं मुहैया करवाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का दिव्यांग बच्चों को अत्याधूनिक शिक्षा मुहैया करवाने पर जोर रहेगा।

युवाओं को अपनी जमीन में सोलर पावर प्रोजेक्ट लगाने पर इक्विटी देगी सरकार

नए साल की पहली कैबिनेट बैठक में सुक्खू सरकार ने प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए राजीव गांधी स्वरोजगार योजना के द्वितीय चरण में सौर उर्जा योजना को मंजूरी दी है। इसमें ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं को अपनी जमीन पर सोलर पावर प्रोजेक्ट लगाने को सरकार मदद करेगी। मुख्यमंत्री सुक्खू ने बताया कि इस योजना से तीन बीघा या अधिक की जमीन पर यदि युवा सोलर पावर प्रोजेक्ट लगाते हैं तो सरकार सिर्फ प्रोजेक्ट को लगाने के लिए 10 फ़ीसदी सिक्योरिटी मनी लेगी और युवाओं को प्रतिमाह 20 हजार से 1 लाख तक की आय भी सुनिश्चित होगी ।

उन्होंने कहा कि यह योजना 100 किलोवाट से 500 किलोवाट तक क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजनाओं (एसपीपी) को स्थापित करने पर केंद्रित है। यह योजना राज्य के अक्षय ऊर्जा लक्ष्यों को हासिल करने में मील पत्थर साबित होगी। यह योजना 21 से 45 वर्ष की आयु के युवाओं को उद्यमशीलता के अवसर प्रदान करने के साथ-साथ कौशल विकास को प्रोत्साहित करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना के तहत प्रतिभागियों को तीन बीघा भूमि पर 100 किलोवाट क्षमता की परियोजना स्थापित करने के लिए 25 वर्षों तक लगभग 20,000 रुपये मासिक आय और क्रमशः पांच और दस बीघा भूमि में स्थापित की जाने वाली 200 किलोवाट और 500 किलोवाट क्षमता की परियोजनाओं के लिए 40,000 रुपये व एक लाख प्रतिमाह मासिक आय प्राप्त होगी।

योजना के तहत, वित्तपोषण में राज्य सरकार द्वारा 70 प्रतिशत बैंक ऋण उपलब्ध करवाने में सहायता और राज्य सरकार द्वारा 30 प्रतिशत इक्विटी प्रदान की जाएगी। सौर ऊर्जा डेवलपर को केवल 10 प्रतिशत जमानत राशि जमा करवानी होगी। यह जमानत राशि 25 वर्षों के उपरान्त डेवलपर को वापिस कर दी जाएगी।

8 जनवरी से 12 फरवरी तक सरकार गांव के द्वार कार्यक्रम

मुख्यमंत्री ने बताया कि कैबिनेट ने 8 जनवरी से पूरे राज्य में 'सरकार गांव के द्वार' शुरू करने को भी स्वीकृति प्रदान की। इस दौरान 12 फरवरी तक गांवों के समूहों में सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के साथ संवाद किया जाएगा। सुक्खू ने कहा कि 8 जनवरी से 12 फरवरी तक सरकार के सभी विधायक, चुनाव में रहे प्रत्याशी और मंत्री सरकार गांव के द्वार कार्यक्रम के तहत गांव गांव जाकर सरकार की 1 साल की योजनाओं की जानकारी देंगे और समस्याओं का भी निपटारा करेंगे।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में आज यहां प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में युवाओं को सशक्त बनाने व स्वच्छ ऊर्जा पहल को आगे बढ़ाने के दृष्टिगत सौर ऊर्जा के दोहन के लिए राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्ट-अप योजना के चरण-2 को शुरू करने का निर्णय लिया गया। यह योजना 100 किलोवाट से 500 किलोवाट तक क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजनाओं (एसपीपी) को स्थापित करने पर केंद्रित है। यह योजना राज्य के अक्षय ऊर्जा लक्ष्यों को हासिल करने में मील पत्थर साबित होगी। यह योजना 21 से 45 वर्ष की आयु के युवाओं को उद्यमशीलता के अवसर प्रदान करने के साथ-साथ कौशल विकास को प्रोत्साहित करेगी।

योजना के तहत प्रतिभागियों को तीन बीघा भूमि पर 100 किलोवाट क्षमता की परियोजना स्थापित करने के लिए 25 वर्षों तक लगभग 20,000 रुपये मासिक आय और क्रमशः पांच और दस बीघा भूमि में स्थापित की जाने वाली 200 किलोवाट और 500 किलोवाट क्षमता की परियोजनाओं के लिए 40,000 रुपये व एक लाख प्रतिमाह मासिक आय प्राप्त होगी।

योजना के तहत, वित्तपोषण में राज्य सरकार द्वारा 70 प्रतिशत बैंक ऋण उपलब्ध करवाने में सहायता और राज्य सरकार द्वारा 30 प्रतिशत इक्विटी प्रदान की जाएगी। सौर ऊर्जा डेवलपर को केवल 10 प्रतिशत जमानत राशि जमा करवानी होगी। यह जमानत राशि 25 वर्षों के उपरान्त डेवलपर को वापिस कर दी जाएगी।

हिमाचल की शक्तिपीठों में 1.42 लाख श्रद्धालुओं ने माथा टेक नववर्ष का किया आगाज

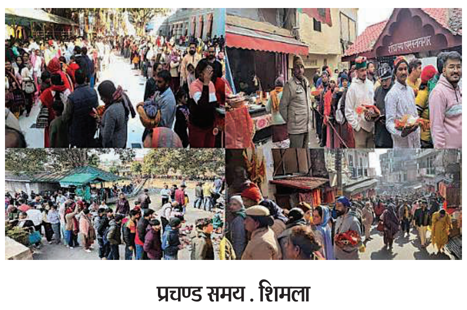

प्रचण्ड समय . शिमला

हिमाचल प्रदेश की शक्तिपीठों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सोमवार को शीश नवाकर नए साल का आगाज किया। इसमें श्रीनयनादेवी जी में 70 हजार, ज्वालामुखी में 25,000, बज्रेश्वरी मंदिर में 12,000 और चामुंडा में 10,000, चिंतपूर्णी में 25,000 श्रद्धालुओं ने हाजिरी लगाई। श्रीनयनादेवी जी मंदिर के कपाट 22 घंटे और चिंतपूर्णी के कपाट 24 घंटे खुले रहे। विश्व विख्यात शक्तिपीठ श्री नयनादेवी जी में नववर्ष मेला धूमधाम से मनाया गया। नववर्ष पर रात 1:30 बजे मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। 1 जनवरी को शाम 6 बजे तक 70 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं ने मंदिर में माथा टेका।

साल के पहले दिन मंदिर श्रद्धालुओं का भारी संख्या में पहुंचने की सिलसिला देर रात तक जारी रहा। वहीं, नववर्ष को जैसे ही रात के 12 बजे श्रद्धालुओं ने आतिशबाजी और पटाखे फोड़े। कपाट खुलने तक मंदिर के बाहर हजारों की संख्या में श्रद्धालु खड़े रहे। इस दौरान पुलिस सतर्क रही और व्यवस्था को बखूबी संभाले रखा। वहीं, भाखड़ा, कैंची मोड़ और कोलांवाला टोबा में श्रद्धालुओं की उचित जांच के बाद आगे भेजा गया।

श्रद्धालुओं को अपने साथ अस्त्र-शस्त्र ले जाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहा। मंदिर से श्रद्धालुओं को फ्लाईओवर से मंदिर भेजा गया और सीढ़ियों के रास्ते से वापस भेजा। उधर, मंदिर अध्यक्ष धर्मपाल ने बताया कि श्री नयनादेवी जी में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। हालांकि श्रद्धालुओं की संख्या अधिक रही, लेकिन सुरक्षा कर्मियों की सतर्कता से सब शांतिपूर्ण ढंग से निपटा गया।

सोने का सेट किया भेंट

नववर्ष पर नंगल पंजाब के एक श्रद्धालु ने मां नयना देवी को सोने का सेट भेंट। श्रद्धालु विजय ने सेट में सोने का हार, टीका और नथ मंदिर न्यास के अध्यक्ष धर्मपाल को सौंपी। श्रद्धालु ने सेट की कीमत को गुप्त रखा है।

गिरिपार क्षेत्र को शुभकामनाएं, हमने जो वादा किया था वह निभा दिया : जयराम ठाकुर

प्रचण्ड समय . शिमला

हाटी समुदाय को जनजातीय दर्जा दिए जाने संबंधित अधिसूचना जारी होने पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि गिरिपार क्षेत्र के हाटी समुदाय के साथ किया अपना वादा मैंने निभा दिया। सभी को शुभकामनाएं। जो हक़ 58 साल पहले मिल जाना चाहिए था। उसके लिए आज भी रोड़े अटकाने का प्रयास हुआ। राष्ट्रपति से मंजूरी मिलने के बाद भी हाटी समुदाय को जनजातीय दर्जा देने से रोकने का प्रयास किया गया। एक स्पष्ट निर्देश होने के बाद भी स्पष्टीकरण के नाम पर पांच महीनें तक चीजों को अटकाने की कोशिश हुई। यह दुःखद है। मैं पूरी ग्यारह से आश्वस्त हूँ कि जनजातीय दर्जा मिलने के बाद विकास के दृष्टि से पीछे रह गये हाटी समुदाय के लोग भी तेज़ी से आगे बढ़ेंगे और परस्पर सौहार्द बनाए रखेंगे। उन्होंने कहा कि हाटी समुदाय को यह दर्जा 1968 में ही मिल जाना चाहिए था जब उत्तराखंड के जौनसार बावर के जौनसारी समुदाय को मिला था क्योंकि हाटी समुदाय और जौनसारी समुदायों के बीच सामाजिक, सांस्कृतिक के साथ ही भौगोलिक समानता भी थी। तब गिरिपार के साथ अन्याय हुआ था।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जिस समय सरकार को हाटी समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के प्रावधानों में अपनी ऊर्जा लगानी चाहिए थी उस समय कांग्रेस की सुक्खू सरकार ने उस कानून को अटकाने, भटकाने और लटकाने के तरीक़े खोजने में अपनी ऊर्जा खर्च कर रही थी। आख़िरकार स्पष्टीकरण के नाम पर इस क़ानून को लागू करने से रोकने का प्रयास किया गया। जबकि हमारी सरकार के समय बने ड्राफ्ट में ही सरकार द्वारा पूछे गये तीनों सवालों के स्पष्ट जवाब थे। जयराम ठाकुर ने कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा भी कुछ छात्रों को प्रोविजनल सर्टिफिकेट दिया गया। जिसके बाद किसी प्रकार के शक की गुंजाइश ही ख़त्म हो गई थी लेकिन फिर भी अधिसूचना जारी करने में देरी हुई। सरकार द्वारा अधिसूचना जारी करने में देरी से हज़ारों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ। इसकी भरपाई कौन करेगा।

जयराम ठाकुर ने कहा कि जब उन्हें मौक़ा मिला था तो उन्होंने गिरिपार के क्षेत्र के लोगों का दुःख समझा और हाटी समुदाय जनजातीय दर्जा दिलाने की दिशा में युद्ध स्तर पर काम किया। मुख्यमंत्री के रूप में एक नोडल एजेंसी का गठन किया। जो हाटी समुदाय से जुड़े तमाम तथ्यों की जानकारी जुटा सके। नोडल एजेंसी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी शोध पत्रों को एकत्रित कर क्षेत्र की सामाजिक, राजनैतिक और आर्थिक स्तर पर हर पहलू को जांचा परखा और वर्ष 2021 में रिपोर्ट को हिमाचल प्रदेश की कैबिनेट द्वारा केंद्र सरकार को भेजी। इस रिपोर्ट पर गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संज्ञान लिया गया और रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया ने हाटी जनजाति को 13 अप्रैल 2022 को एक कबीले के रूप में पंजीकृत किया। इसके बाद 16 दिसंबर 2022 को केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा से 26 जुलाई 2023 को राज्यसभा से भी पारित होने के बाद 04 अगस्त को राष्ट्रपति महोदया द्वारा अनुमोदित कर दिया गया। 01 जनवरी 2024 को हिमाचल सरकार द्वारा इसकी अधिसूचना जारी हुई।

न्यूज ब्रीफ..

राहुल की न्याय यात्रा ने कुमारी सैलजा की जन संदेश यात्रा पर लगाया ब्रेक

राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा सदस्य राहुल गांधी की न्याय यात्रा की योजना ने हरियाणा में नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा विरोधी रणदीप सुरजेवाला, कुमारी शैलजा, किरण चौधरी यानी एस आर के ग्रुप की जनसंदेश यात्रा को रोक दिया है। राहुल की न्याय यात्रा के कारण कुमारी शैलजा की हरियाणा में 15 जनवरी से निकाली जाने वाली जन संदेश यात्रा टाल दी गई है। हरियाणा कांग्रेस की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और अभी उत्तराखंड कांग्रेस की प्रभारी कुमारी शैलजा ने इस यात्रा का हरियाणा भर में निकालने का ऐलान किया था। इस यात्रा को रणदीप सुरजेवाला और किरण चौधरी ने भी समर्थन देने की बात कही थी। अब राहुल गांधी के यात्रा कार्यक्रम ने इस यात्रा को टालने को मजबूर कर दिया है। उधर,भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके खेमे में शामिल चौधरी उदयभान द्वारा विधानसभा क्षेत्रवार जन आक्रोश रैलियों का सिलसिला जारी रखे हुए है। विपक्ष आपके समक्ष रैलियों के जरिए भी हुड्डा खेमे ने अपने चुनावी एजेंडा आज बढ़ाया हैं।एस आर के गुट ने हाल में रोहतक में आयोजित बैठक में जन संदेश यात्रा शुरू करने का ऐलान किया था। एस आर के गुट ने हुड्डा गुट के समानांतर अपनी राजनीतिक गतिविधियां चलाने की रणनीति तय की है।लेकिन राहुल गांधी की न्याय यात्रा के कारण एस आर के गुट पीछे हटने को मजबूर है। भूपेंद्र हुड्डा ने जनाक्रोश रैलियों को जारी रखने के साथ ही जिला स्तर पर कार्यकर्ताओ के साथ बैठके करने का भी फैसला किया है। जिला स्तर पर कार्यकर्ताओ के साथ बैठक कर हुड्डा आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कार्यकर्ताओ ने जोश भरते हुए उन्हे सक्रिय करने का काम करेंगे।रणनीतिक रूप से हुड्डा तो जमीनी स्तर पर पार्टी को समर्थन जुटाने में व्यस्त है वही राहुल गांधी की न्याय यात्रा भी पार्टी का धरातल मजबूत करने का काम करेगी।

टेक्नो स्मार्टफोन की ब्रांड एंबेसडर बनीं दीपिका पादुकोण

शिमला . एक अभूतपूर्व कदम के तहत प्रीमियम वैश्विक स्मार्टफोन ब्रांड टेक्नो को भारतीय सुपरस्टार दीपिका पादुकोण को अपना ब्रांड एंबेसडर घोषित करते हुए खुशी हो रही है। यह कदम उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्टाइलिश और सुलभ रहते हुए सर्वोत्तम नवाचार प्रदान करने के टेक्नो के प्रस्ताव में अगला कदम है।टेक्नो मोबाइल के सीईओ,अरिजीत तालापात्रा ने कहा हम दीपिका पादुकोण को टेक्नो के ब्रांड एंबेसडर के रूप में घोषित करते हुए रोमांचित हैं। दीपिका का करिश्मा टेक्नो के इनोवेशन फोकस के साथ मिलकर एक शक्तिशाली तालमेल बनाता है जो हमारी ब्रांड धारणा को मजबूत करेगा और युवा दर्शकों के साथ तालमेल बिठाता है। एक स्मार्टफोन ब्रांड होने के अलावा टेक्नो एक जीवनशैली साथी बनने की आकांक्षा रखता है।हमें उम्मीद है कि यह सहयोग हमारी ब्रांड छवि को बढ़ाएगा और विविध दर्शकों को जोड़ेगा,उत्कृष्टता की हमारी खोज और स्टॉप एट नथिंग ब्रांड दर्शन को बढ़ावा देगा। दीपिका के साथ हम अभूतपूर्व लॉन्च,आकर्षक अभियानों और टेक्नो के सार को प्रतिबिंबित करने वाली साझेदारी के एक वर्ष की आशा करते हैं जहां प्रौद्योगिकी स्मार्टफोन अनुभव को फिर से परिभाषित करने के लिए शैली से मिलती है। उत्साह के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि दीपिका और टेक्नो अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने के लिए एक साथ आ रहे हैं! उनकी चमकदार उपस्थिति स्क्रीन पर और स्क्रीन के बाहर टेक्नो के तकनीकी दृश्य में लालित्य,बुद्धिमत्ता और बहुमुखी प्रतिभा की झलक जोड़ती है। दीपिका पादुकोण के साथ साझेदारी करना टेक्नो के लिए सिर्फ एक रणनीतिक कदम नहीं है बल्कि यह युवा और उत्साहित दर्शकों के साथ एक सुपर.मजबूत संबंध बनाने के लिए स्टाइल भागफल को बदलने जैसा है। दीपिका का फैशन फ़ॉरवर्ड व्यक्तित्व टेक्नो द्वारा उपयोगकर्ताओं के लिए लाए गए स्टाइलिश नवाचारों के साथ सहज रूप से मिश्रित होता है।यह एसोसिएशन पूरे वर्ष सभी ब्रांड और उत्पाद लॉन्च में विस्तार करेगा जिससे एक सुसंगत और प्रभावशाली उपस्थिति सुनिश्चित होगी।

शिक्षक विषय ज्ञान प्रदान करने के साथ छात्रों में उनके कैरियर, मार्गदर्शन और नैतिक आदर्श स्थापित करने में पथ प्रदर्शक की महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंः- विधायक मलेंद्र राजन

बेबाक रघुनाथ शर्मा . नूरपूर

विधायक मलेंद्र राजन रविवार को इंदौरा विधानसभा क्षेत्र के तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मंड मियानी के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने विद्यालय के होनहार विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया तथा वर्ष भर में प्राप्त उपलब्धियों के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि वार्षिक उत्सव किसी भी संस्थान में वर्ष भर के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त उपलब्धियों के लिये सम्मानित करने का अवसर होता है।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों में प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा होने के साथ उनको अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक विषय ज्ञान प्रदान करने के साथ छात्रों में उनके कैरियर, मार्गदर्शन और नैतिक आदर्श स्थापित करने में पथ प्रदर्शक की महत्वपूर्ण भूमिका निभाता हैं।

मलेंद्र राजन ने अध्यापकों से छात्रों के लिए पथ प्रदर्शक की भूमिका निभाने का आह्वान किया और छात्रों की प्रतिभा की पहचान कर इन्हें ओर निखारने की दिशा में सकारात्मक शुरुआत करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बच्चे ही हमारा भविष्य है और इन्हें निखारने तथा संवारने में अध्यापकों का ही सबसे बड़ा योगदान होता है।

मलेंद्र राजन ने अभिभावकों से आह्वान करते हुए कहा कि युवा वर्ग में संस्कृति एवं संस्कारों की भावना का भी समावेश किया जाना चाहिए, जिससे सभ्य समाज की परिकल्पना धरातल पर उतरे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर अपने माता- पिता का नाम रोशन कर गौरवांवित करना चाहिए। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र में विकासात्मक कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि सड़क नेटवर्क को सुदृढ़ बनाने के लिए विशेष तरजीह दी जा रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर प्रदान करना उनकी प्राथमिकता है जिसके लिए क्षेत्र में उद्योगों को स्थापित करने की तरफ गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में इस महीने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सूक्खु ने कंदरोड़ी में 268 करोड़ रुपए की लागत से पेप्सी बॉटलिंग प्लांट का शिलान्यास किया है । इस प्लांट के लगने से क्षेत्र के दो हज़ार से अधिक युवाओं को रोजगार मिलेगा।

विधायक ने स्कूल में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 21 हजार रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने स्कूल प्रबंधन को अपनी तरफ़ से हर सम्भव सहयोग का भी भरोसा दिया। इससे पूर्व, स्कूल के प्रधानाचार्य राजेश रतन ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और विद्यालय की गतिविधियों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर खूब तालियाँ बटोरी। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष देविंद्र मनकोटिया, पंचायत प्रधान भूपाल कटोच,लीगल सेल के अध्यक्ष जसबीर कटोच,ओबीसी सेल के अध्यक्ष केवल कृष्ण सहित शिक्षक, बच्चे व अभिवावक उपस्थित रहे।

रिज़ पर 103 लोगों ने खूनदान करके नए साल का जश्न मनाया

प्रचण्ड समय . शिमला

नए साल के जश्न में डूबे शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान पर आज एक अलग तरह का जश्न भी चलता रहा। इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज में रक्त की भारी कमी को दूर करने के लिए उमंग फाउंडेशन के रक्तदान शिविर में 103 लोगों ने रक्तदान किया। शिविर का उद्घाटन पद्मश्री डॉक्टर ओमेश भारती ने स्वयं रक्तदान करके किया। रक्तदान करने वालों में दृष्टिबाधित युवा लाभ सिंह भी शामिल थे।

उमंग फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रो. अजय श्रीवास्तव ने बताया कड़ाके की ठंड के बावजूद रिज मैदान पर रक्तदाताओं की कतारें लगी रहीं। पद्मश्री डाक्टर उमेश भारती ने कहा कि उमंग फाउंडेशन की यह पहल समाज को नई दिशा दिखाने वाली है। शिविर में कुछ दिलचस्प रक्तदाता समूह भी दिखाई दिए। एक ही परिवार के चार सदस्यों अनीता शर्मा और उनके दो पुत्रों- कार्तिकेय एवं सिद्धार्थ लखनपाल तथा पुत्रवधू गौतमी ने एक साथ रक्तदान किया। क्यार कोटी गांव के प्रेम लाल और उनकी धर्मपत्नी चंपा देवी ने भी रक्तदान किया। उधर एक अन्य युवा पवन ने रक्तदान करके अपना जन्मदिन मनाया।

आईजीएमसी ब्लड बैंक के डॉक्टर साहिल शर्मा ने कहा कि इस रक्तदान शिविर से अस्पताल के मरीजों को काफी रात मिलेगी। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों रितु वर्मा, अभिषेक भागड़ा, मुकेश कुमार, अमित कुमार, सुखबीर सिंह, रोहित दुगलेट और सतीश तोमर ने भी रक्तदान किया। नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत शिवराम भी रक्तदान करने वालों में शामिल थे।

रक्तदान करने वालों में शिमला और हिमाचल के लोगों के अलावा नागालैंड, लद्दाख, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और चंडीगढ़ आदि के पर्यटक भी शामिल रहे।

शिविर के संचालन में उमंग फाउण्डेशन के महासचिव यशवंत राय एवं ट्रस्टी विनोद योगाचार्य के अलावा उदय वर्मा, तेजू नेगी, सवीना जहां, रितु वर्मा, दीक्षा वशिष्ठ, रोहित दुगलेट, अखिल चौधरी, अंजना ठाकुर, प्रतिभा ठाकुर, कृतिका, स्वाति एवं ओशीन वर्मा, इतिका चौहान, ललित शर्मा, ईश्वर दास, सायशा तथा कई अन्य युवाओं ने योगदान किया।

हाटी समुदाय के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से की भेंट

शिमला . सिरमौर जिला के हाटी समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज यहां मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू से भेंट कर समुदाय को अनुसूचित जनजाति के रूप में अधिसूचित करने के लिए आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार को विगत शनिवार सायं केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण प्राप्त हुआ है और आज राज्य सरकार ने इस संबंध में अविलम्ब अधिसूचना जारी कर दी।

उन्होंने कहा कि 3 जनवरी, 2024 को सिरमौर जिले के अपने प्रस्तावित दौरे के दौरान वह हाटी समुदाय को इस दर्जे की औपचारिक घोषणा करेंगे।

इस अवसर पर उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान और समुदाय के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

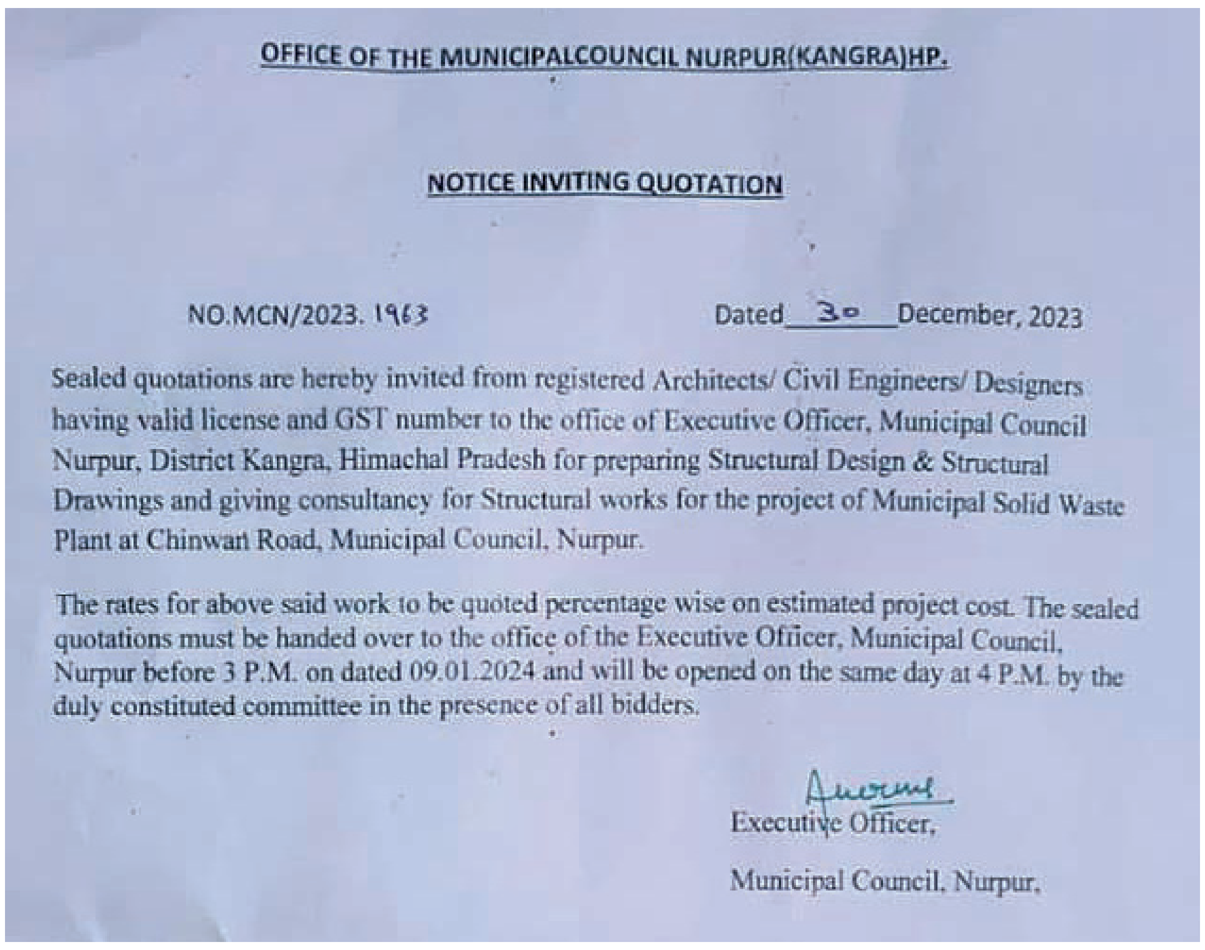

OFFICE OF THE MUNICIPALCOUNCIL NURPUR(KANGRA)HP.

NOTICE INVITING QUOTATION

NO.MCN/2023. 1963 Dated 30 December, 2023

Sealed quotations are hereby invited from registered Architects/ Civil Engineers/ Designers having valid license and GST number to the office of Executive Officer, Municipal Council Nurpur, District Kangra, Himachal Pradesh for preparing Structural Design & Structural Drawings and giving consultancy for Structural works for the project of Municipal Solid Waste Plant at Chinwari Road, Municipal Council, Nurpur.

The rates for above said work to be quoted percentage wise on estimated project cost. The sealed quotations must be handed over to the office of the Executive Officer, Municipal Council, Nurpur before 3 P.M. on dated 09.01.2024 and will be opened on the same day at 4 P.M. by the duly constituted committee in the presence of all bidders.

Executive Officer,
Municipal Council, Nurpur.

न्यूज ब्रीफ..

जूनियर एथलेटिक्स मीट का आयोजन

मंडी . मंडी जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन द्वारा मंडी के ऐतिहासिक पड्डल मैदान में एक दिवसीय जूनियर एथलेटिक मीट का आयोजन किया गया । जानकारी देते हुए एसोसिएशन के जिला संयुक्त सचिव विनोद आर्य ने बताया कि इस प्रतियोगिता में अंडर 14, अंडर 16 आयु वर्ग के 250 धावकों ने हिस्सा लिया । प्रतियोगिता का शुभारंभ पूर्व एथलीट व रिटायर प्रोफेसर संतोष कपूर ने किया। अंडर 14 में तीन प्रकार के ग्रुप ए, बी और सी के आधार पर प्रतियोगिता करवाई गई । ए ग्रुप में 60 मी0, लॉन्ग जंप और हाई जंप, बी ग्रुप में 60 मी0, लॉन्ग जंप, बैक थ्रो और ग्रुप सी में 60 मी0, लॉन्ग जंप, 600 मीटर रेस, जंप, लॉन्ग जम्प, शॉटपुट , जैवलिन थ्रो और पेंटाथलान में 60 मी0, 80 मीटर हर्डल रेस, लॉन्ग जंप,, 600 मी0। जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव पदम सिंह गुलेरिया ने विजेता रहे धावकों को सर्टिफिकेट देकर और मेडल पहनाकर से सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता में प्रोफेसर सुनील सेन, दिनेश सेन डीपी, ताराचंद डीपी एथलीट कोच ताराचंद शारीरिक अध्यापक उमेश शारीरिक अध्यापक धर्म सिंह बसु कोच निर्मल कुलविंदर और रविंदर ने अपना सहयोग दिया। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागी गांधीनगर गुजरात में 16 से 18 फरवरी को होने वाली राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए ।

हरियाणा में साल के पहले दिन डेढ़ दर्जन आई ए एस की जिम्मेदारी बदली

राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . हरियाणा सरकार ने नए साल के पहले दिन सोमवार को डेढ़ दर्जन आईएएस अफसरों की जिम्मेदारियां बदली है। इनमे मानव संसाधन विभाग के प्रधान सचिव पद पर डी सुरेश को लगाया है। हाल में बहाल किए गए विजय दहिया को करनाल मंडल का आयुक्त नियुक्त किया है। नए वर्ष में चुनाव के लिए तैयार गठबंधन सरकार ने सूचना एवम लोकसंपर्क महानिदेशक के पद पर अमित कुमार अग्रवाल के स्थान पर मंदीप बराड़ को नियुक्त किया है। डी सुरेश और विजय दहिया पर भ्रष्टाचार के आरोप है। अमित कुमार अग्रवाल को मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव, प्रोजेक्ट डायरेक्टर मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी कार्यक्रम और एमडी हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम लगाया गया है। श्रीमती आशिमा बराड़ को मुख्यमंत्री की अतिरिक्त प्रधान सचिव तथा महानिदेशक एवं सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता कल्याण, अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग श्रेणियां और अंत्योदय (सेवा) विभाग लगाया गया है। सी जी रजनीकांथन को महानिदेशक उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, महानिदेशक एमएसएमई तथा नागरिक उड्डयन विभाग का सलाहाकार लगाया गया है। पी सी मीणा को महानिदेशक दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम लगाया गया है। ए श्रीनिवास, सीईओ फरीदाबाद मेट्रोपॉलिटन विकास अथारेटी तथा प्रबंध निदेशक हरको बैंक को उनके वर्तमान कार्यभार के अलावा सीईओ गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन विकास अथॉरिटी का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। शेखर विद्यार्थी को महानिदेशक एवं सचिव पुरातत्व विभाग तथा महानिदेशक तथा सचिव राज्य परिवहन लगाया गया है। मनदीप सिंह बराड़ को महानिदेशक सूचना, लोक सम्पर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग, महानिदेशक खनन एवं भूविज्ञान तथा मिशन निदेशक मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना का कार्यभार सौंपा गया है।

जन समस्याओं का संतोषजनक समाधान प्रदेश सरकार की प्राथमिकता - संजय अवस्थी

प्रचण्ड समय . सोलन

मुख्य संसदीय सचिव (लोक निर्माण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग) संजय अवस्थी ने कहा कि जन समस्याओं का समयबद्ध एवं संतोषजनक समाधान प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है और वह स्वयं यह सुनिश्चित बना रहे है कि अर्की विधानसभा क्षेत्र में इस दिशा में कोई कोताही न बरती जाए। संजय अवस्थी आज अर्की में स्थानीय निवासियों की समस्याओं के निराकरण के उपरांत उपस्थित जन प्रतिनिधियों एवं क्षेत्र वासियों से विचार-विमर्श कर रहे थे।

संजय अवस्थी ने कहा कि आम आदमी की सभी समस्याओं का समाधान उनके घर-द्वार के समीप हो जाए तो वह अपने कार्यों में अधिक समर्पण के साथ समय दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित बनाया जा रहा है कि अर्की विधानसभा क्षेत्र में नियमित अंतराल पर जन समस्या के निराकरण के लिए आम लोगों को समय मिले।

उन्होंने कहा कि उपमण्डलाधिकारी अर्की एवं उनकी टीम के माध्यम से इस दिशा में सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

मुख्य संसदीय सचिव ने कहा कि अर्की विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों के लिए समयबद्ध धनराशि उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में लोक निर्माण, जल शक्ति विभाग एवं विद्युत बोर्ड द्वारा वर्तमान में विभिन्न विकास कार्यों पर लगभग 130 करोड़ रुपए व्यय किए जा रहे है। उनका लक्ष्य अर्की विधानसभा क्षेत्र को प्रदेश का आदर्श बनाना है। उन्होंने कहा कि अर्की प्रदेश का ऐसा विधानसभा क्षेत्र है जहां उद्योग जगत के साथ-साथ कृषि एवं अन्य सम्बद्ध क्षेत्रों में विकास की अपार सम्भावनाएं है। अर्की विधानसभा क्षेत्र में पहली बार खनन विकास निधि के माध्यम से विकास कार्यों पर करोड़ों रुपए व्यय किए जा रहे हैं।

संजय अवस्थी ने जन प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि 680 करोड़ रुपए की राजीव गांधी स्वरोज़गार स्टार्ट-अप योजना, लगभग 500 करोड़ रुपए की हिम गंगा योजना, सुखाश्रय योजना और जन हित योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी स्टार्ट अप योजना में अधिक से अधिक बेरोज़गार युवाओं को सम्मिलित करने के लिए शर्तों को और आकर्षक बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने से प्रदेशवासी व्यापक स्तर पर लाभान्वित होंगे।

उन्होंने इस अवसर पर स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनी और अधिकांश का मौके पर ही निपटारा सुनिश्चित बनाया। उन्होंने अन्य समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

इस अवसर पर खण्ड कांग्रेस समिति अर्की के अध्यक्ष सतीश कश्यप, नगर पंचायत अर्की के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनुप गुप्ता, नगर पंचायत अर्की की पूर्व अध्यक्ष सीमा शर्मा, ज़िला कांग्रेस के महासचिव राजेन्द्र रावत तथा प्यारे लाल शर्मा, खण्ड कांग्रेस के महासचिव कमलेश शर्मा, सचिव डी.डी.शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता बालक राम शर्मा, नगर पंचायत अर्की के पार्षद, पंचायत समिति कुनिहार की पूर्व अध्यक्ष नीलम रघुवंशी, उपमण्डलाधिकारी अर्की यादविंदर पाल, तहसीलदार अर्की रमन ठाकुर, खण्ड विकास अधिकारी कुनिहार आकृति ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, गणमान्य व्यक्ति एवं कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी उपस्थित थे।

14 लाख 6 हजार रूपये की लागत से निर्मित 2.555 किलोमीटर लोक निर्माण विश्राम गृह रोघी से कास्तयो होते हुए रोघी कण्डें सड़क का किया उद्घाटन

प्रचण्ड समय . रिकांगपिओ

राजस्व, बागवानी एवं जनजातीय विकास मंत्री जगत सिंह नेगी ने आज जिला किन्नौर में कल्पा खण्ड के रोघी पंचायत में 14 लाख 6 हजार रूपये की लागत से निर्मित 2.555 किलोमीटर लोक निमार्ण विश्राम गृह रोघी से कास्तयो होते हुए रोघी कण्डें सडक व 12 लाख 68 हजार की लागत से निर्मित 2.795 किलोमीटर चिस्काओ से कानारो वाया ओमे से पानूगों तक जीप योग्य सम्पर्क सडक का उद्घाटन किया तथा 40 लाख 58 हजार रूपये की लागत से 1.500 किलोमीटर निर्मित होने वाली रोघी से दखाए सम्पर्क सडक का शिलान्यास भी किया व लोक निमार्ण विभाग को रिकॉर्ड समय में सड़क निर्मित करने को कहा।

राजस्व मंत्री ने रोघी में जनता को संम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार जनजातीय क्षेत्र के विकास के लिए वचनबद्व है।

हमारी सरकार सभी क्षेत्रों के समग्र विकास की दिशा में आगे बढ रही है।

उन्होनें कहा कि प्रदेश के बागवानों की आय को बढ़ाने की दिशा में आगे बढते हुए राज्य सरकार ने पहली बार सेब प्रति किलो के हिसाब से बेचने का निर्णय लिया जो कि सफल भी हुआ और किसानों तथा बागवानों को उनकी फसल का उचित मुल्य प्राप्त हुआ।

राजस्व मंत्री ने रोघी पंचायत के गा्रंमवासीयों की समस्याए सुनी और आश्वासन दिया की सभी समस्याओं का शीघ्र निपटारा किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पशु औषधालय के भवन का निर्माण किया जाएगा व सुबह 10 बजे रोगी के लिए बस सेवा आरंभ की जाएगी तथा कनारो मंदिर के निर्माण लिए उचित धन राशि दी जाएगी व रोघी के समस्त ग्राम वासियों को नववर्ष की बधाई दी।

राजस्व, बागवानी एवं जनजातीय विकास मंत्री ने 54 लाख 64 हजार रूपये की लागत से निर्मित पशु चिकित्सालय भवन कल्पा का लोकार्पण किया।

ग्राम कांग्रेस कमेटी कल्पा द्वारा मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में एक लाख एक हजार एक सौ रूपये व ज्ञान प्रकाश कल्पा ने एक लाख रूपये का योगदान किया।

इसके उपरान्त राजस्व, बागवानी एवं जनजातीय विकास मंत्री ने बै्रलंगी में 20 लाख रूपये की लागत से निर्मित होने वाले माहुनाग सामूहिक भवन का शिलान्यास किया।

उन्होंने दुनी पंचायत के गांव ब्रैलंगी में जनता की समस्याएं सुनी।

मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को नववर्ष की शुभकामनाएं दी

प्रचण्ड समय . शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज राजभवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से भेंट कर उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि यह वर्ष प्रदेशवासियों के लिए सुख और समृद्धि लाएगा।

उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, कैबिनेट मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल, प्रो. चंद्र कुमार, रोहित ठाकुर, अनिरुद्ध सिंह, विक्रमादित्य सिंह, राजेश धर्माणी और यादविंद्र गोमा भी इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ थे। उन्होंने भी राज्यपाल को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। इससे पहले, राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष पी.एस. राणा, हिमाचल प्रदेश के मुख्य सूचना आयुक्त आर.डी. धीमान, हिमाचल प्रदेश रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. श्रीकांत बाल्दी और राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और प्रमुख लोगों ने इस अवसर पर राज्यपाल को बधाई दी। पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी राजभवन में राज्यपाल से भेंट की और उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। राजभवन के सभी सदस्यों और राज्य रेड क्रॉस सोसाइटी के पदाधिकारियों ने राज्यपाल और लेडी गवर्नर श्रीमती जानकी शुक्ल का अभिनंदन किया और उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं दी।

राज्यपाल ने शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त करते हुए आशा व्यक्त की कि वर्ष 2024 सभी के जीवन में समृद्धि, उन्नति और खुशहाली लाएगा।

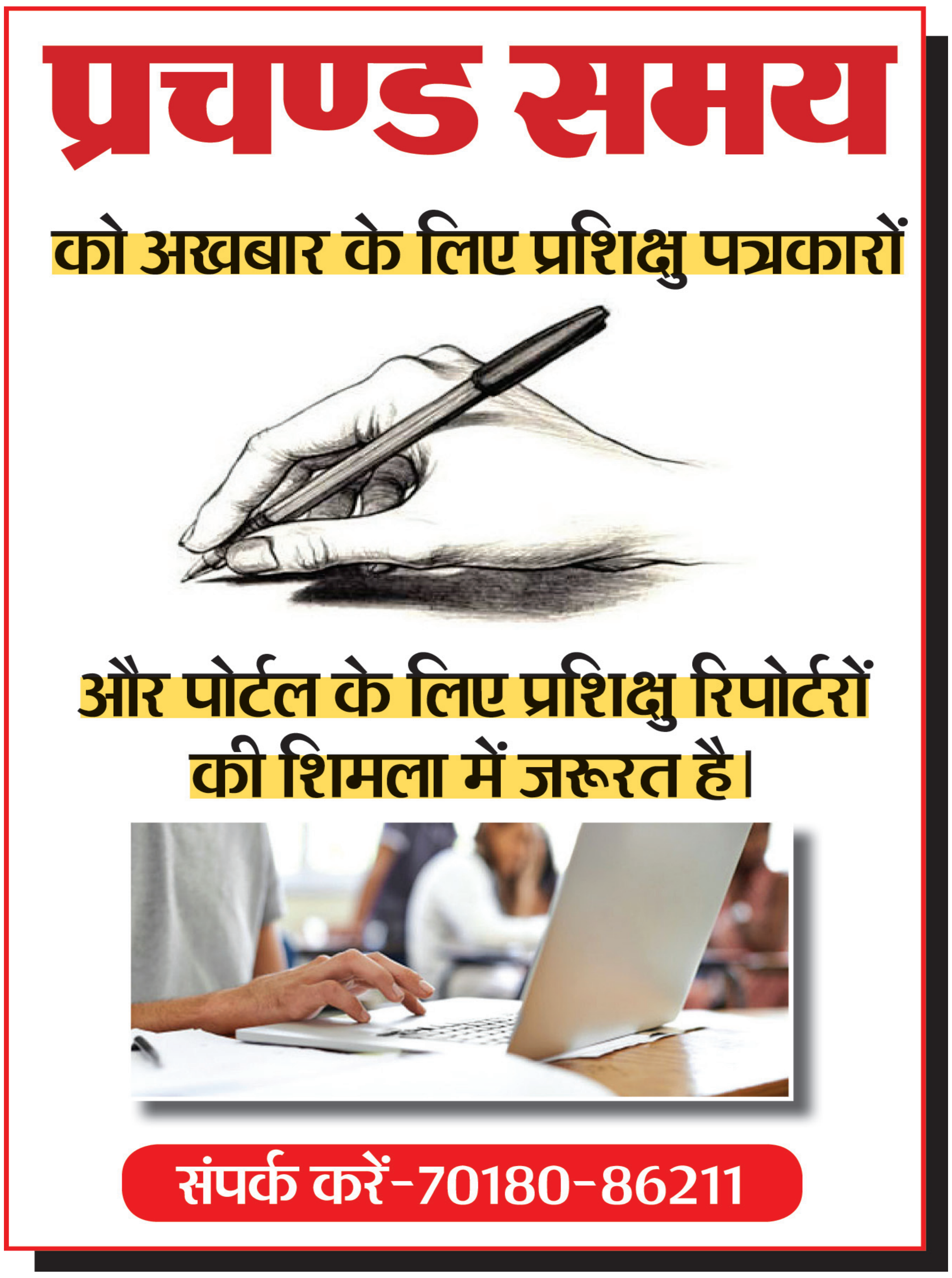

जिंदगी की इस धुंध में कबीर दर्शन की यात्रा

जिंदगी का कबीर दर्शन

प्रो.(डॉ) कृष्ण कुमार रतू

हिंदी पंजाबी के सुपरिचित लेखक एवं मीडिया विशेषज्ञ

इन दिनों समय का परिवर्तन जिंदगी का एक नया परिचय है ।

इस समय जिस पर जिंदगी की अनेकों पगडंडियों से जिंदगी नए रास्तों को तलाशती हुई हमें एक नए जीवन दर्शन की और अग्रसर करती है ।

यह अग्रसर होना ही समय के कालखंड को पार करना है जिस कालखंड में हम अपनी पूरी की पूरी तमाम उम्र को व्यतीत कर देते हैं और यह सिर्फ ऐसे है जिसका आपको कोई अंदाजा नहीं है।

इस की कोई सीमा नहीं कोई रास्ता नहीं , जो पहले पहचान हुआ हो । कुछ लोग इस पूरी उम्र को उम्र का सफर अर्थात अंधेरे की यात्रा कहते हैं परंतु जिंदगी का दर्शन यह कहता है कि जिंदगी में कभी भी अंधेरा नहीं होता और धुंध जरूर होती है।

मौसम परिवर्तन होते हैं और नए मौसमों में नई जिंदगी में इसकी परछाइओ के दृश्य सुभायमान होते हैं और उन्हीं में से एक है बदलते हुए मौसम में अर्थात धुंध में चलना और यह धुंध के बारे में बहुत पहले गुरु नानक देव जी ने कहा था और इसे धंधुकारे का नाम दिया था अर्थात यह सब दुनिया इस धुंध में चलने वाले उसे सफल की निशानी है जिस पर आदमी की दुख सुख की यात्रा का लेखा-जोखा होता है तभी तो उन्होंने अपनी इन उदासियों में उन्होंने आदमी को पढ़ने की तथा समाज को देखने की और गुरमत के विचार से संजीवता तथा संप्रस्था का ही कैसा रास्ता दिखाया ।

उनकी वाणी को बहुत पहले से दुनिया की सेकुलरिज्म की शुरुआत भरी पहल कहा जा सकता है और यही दर्शन उनके समकालीन कबीर जी के उन दर्शन में मिलता है जहां पर जिंदगी एक नई मूलांक भर्ती है ।

इन दिनों जिस तरह का बदलता हुआ मौसम और ठहरा हुआ समय है और इस ढूंढो और धुएं की चादर में से सूर्य कहीं दिखाई नहीं देता और इस बदलते हुए मौसम में नई जिंदगी का चेहरा कैसा है ।

उसको कभी अपने अलग-अलग लोगों में जब बयान करते हैं तो लगता है कि वह जिंदगी को अपने ही एक नई नजरिए से देखते हैं और इस देखने की परिभाषा को आप क्या कह सकते हैं ।

यही जिंदगी का एक नया रंग है सच तू ही है कि यही जिंदगी की एक नई उमंग है और नई तरंग है इस इंद्रधनुष और बदलते हुए रंगों को देखना सचमुच कबीर के उस दर्शन को साक्षात करना है जिसमें वह आदमी के इस सफर की अर्थात उसके जीवन की जिंदगी का दर्शन अपने दोनों में देते हैं ।

प्रमुख संत कवि और संत साहित्य के प्रज्ञाचेतन लेखक के रूप में जब कबीर को हम पहुंचते हैं तो देखते हैं कि कबीर दास के दोहों में जीवन का गहरा दर्शन और जिंदगी की तलाश का वह फ़लसफ़ा जुड़ा हुआ है जिसको देखते हुए हमारे संत साहित्य की परंपरा और लोक जन नायक के रूप में एक ऐसे संत के रूप में सामने आते हैं जिनकी कोई और उदाहरण दे हालांकि यह सारे के सारे संत अपने जीवन से बहुत आगे थे ।

इसी कारण उनकी सब रचनाओं की प्रासंगिकता आज इतनी शताब्दियों बाद भी बनी हुई है कहीं भाषा का सवाल नहीं है।

कहीं मूल तत्व की खोज पर एक नई जीवन जुड़ती हुई एक नई कड़ियों को देखना यह सच कुछ ऐसे ही है जैसे ही संत साहित्य की नई प्रभात को देखना ।

हम अपने समकालीन संत साहित्य में जब हम गुरु रविदास से लेकर कबीर दास और गुरु नानक देव जी की समकालीन अन्य भक्त कवियों की वाणी का चमत्कार और दर्शन करते हैं तो पाते हैं कि जिंदगी के इस मैदान में इस धुंध में निकलने का जो रास्ता कबीर के दोहों में है वह अद्भुत है।

वह अपने दोहों में लिखते हैं आप भी ज़रा देखिए—- कबीर दास के दोहे

कबीर कूता राम का..., मुदटया मेरा नाऊ |
गले राम की जेवडी जजत खींचे ततत जाऊं ||

कबीर राम के र्लए काम करता हैजैसे कुत्ता अपने मार्लक के र्लए काम करता है। राम का नाम मोती है जो कबीर के पास है। उसने राम की जंजीर को अपनी गर्दन से बांधा है और वह वहां जाता है ।

जहां राम उसे ले जाता है। कभी आगे कहते हैं

कामी क्रोधी लालची... इनसे भजन न होए |
भजन करे कोई सूरमा... जाती वरण कुल खोय ||

आप का क्रोध या लालच के आदमी से ककस तरह की भजतत की उम्मीद कर सकते हैं? वह बहादुर व्यजत जो अपने परिवार और जात को पीछे छोड़ता है, वह सच्चा भक्त हो सकता है।

असल में कबीर दर्शन जिंदगी के नाम का दर्शन है जहां पर जिंदगी की विविध उन समस्याओं के बारे में निदान है जो आम जानकी भाषा में आम जन के दुख सुख का एक ऐसा राहत भरा अंदाज है जिसमें कबीर अपने आसपास अपने उसे समाज की बात करते हैं जिसमें सब कुछ उस राम के वाले हैं जिस का वह बार-बार अपनी वाणी में जिक्र करते हैं जिंदगी का यह सफर उनके इन शब्दों में भी है ।

आईए देखते हैं।

बैद मुआ रोगी मुआ... , मुआ सकल संसार |
एक कबीरा ना मुआ... , जेदह के राम आधार।
कबीर कूता राम का..., मुदटया मेरा नाऊ |
गले राम की जेवडी..., जजत खींचे ततत जाऊं ||

कबीर राम के लिए काम करता है जैसे कि कुता अपने मालिक के लिए काम करता है। रामका नाम मोती है जो कबीर के पास है। उसने राम की जंजीर को अपनी गर्दन से बांधा है और वह वहाँ जाता है जहाँ राम उसे ले जाता है।

कामी क्रोधी लालची इनसे भ जतत ना होए |
भजतत करे कोई सूरमा... जाती वरण कुल खोय ||

और आगे कहते हैं—

बैद मुआ रोगी मुआ... , मुआ सकल संसार |
एक कबीरा ना मुआ... जेदह के राम आधार |
दुख में सुमिरन सब करे सुख मे करे न कोय ।
जो सुख में सुमिरन करे, दुख कहेको होय ॥
माला फेरत जुग भया, फरा न मन का फेर ।
कर का मन का डार ,मन का मनका फेर ॥

जात न पूछो साधुकी, कबीर के दोहों में जिंदगी की पुकार है ।

जिंदगी का एक नया दर्शन है।

इस धुंध भरे मौसम में जब सुबह की तलाश होती है रात जागती नहीं है रात्रि नींद रेंगती है और उसे रीति हुई रात से रात में से जब सूर्य के दर्शन होते हैं उसी में कबीर के दर्शन की कल सुबह होती है ।

असल में कबीर जिंदगी के सच को और इस धुंध भरे रास्ते और इस तरह के मौसम में से निकलने का एक ऐसा जीवन दर्शन देते हैं जो सारी दुनिया से अलग है और इस अलग दर्शन की एक रंगों भरी तस्वीर हमारे आज के संत साहित्य में है ।

जिंदगी की भीड़ से इस दुनिया में से निकलते हुए कबीर के दर्शन और हमारे संत कवियों की वाणी के उस दर्शन को आत्म चिंतन करें जो जिंदगी की रोशनी और नया सूरज दिखाते हैं।

तो यह शोर और रात का गहरा अंधेरा कुछ भी नहीं होता सिर्फ जिंदगी का दर्शन और इस वाणी का चमत्कार होता है ।

एक बार इसमें गहरे उतर के तो देखिए ।

आपके जीवन का सच और इसका दर्शन पता चल जाएगा यही कबीर का सच है।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ।

इस लेख के लेखक प्रसिद्ध साहित्यकार एवं मीडिया विशेषज्ञ हैं उन्हें इस लेख पर आप अपनी प्रतिक्रिया 94787 30156 पर दे सकते हैं।

भीमा कोरेगांवः छह साल बाद किन-किन अभियुक्तों को मिली ज़मानत

पुणे के पास भीमा कोरेगांव में हुए दंगे को छह साल पूरे हो गए हैं।

एक जनवरी, 2018 को वहां ऐसी हिंसा देखने को मिली थी, जिसने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया था। दरअसल पहली जनवरी 1818 को पेशवा बाजीराव पर ब्रिटिश सैनिकों की जीत हुई थी और इस जीत की दौ सौवीं जयंती का जश्न दलित समुदाय के लोग मनाने के लिए भीमा कोरेगांव में एकजुट हुए थे। दलित समुदाय, ब्रिटिश फ़ौज की इस जीत का जश्न इसलिए मनाते हैं क्योंकि ऐसा माना जाता है कि जीतने वाली ईस्ट इंडिया कंपनी से जुड़ी टुकड़ी में ज़्यादातर महार समुदाय के लोग थे, जिन्हें अछूत माना जाता था। कई विश्लेषक दो शताब्दी पहले लड़ी गई लड़ाई को आत्मसम्मान और आज़ादी की लड़ाई के तौर पर भी देखते हैं। इसी समारोह के दौरान स्थानीय संगठन एल्गार परिषद पर हिंसा करने के आरोप लगे और देशव्यापी जांच का सिलसिला शुरू हुआ।

पुणे पुलिस का दावा

पुणे पुलिस ने ये दावा किया कि 'भीमा कोरेगांव में 1 जनवरी 2018 को हिंसा भड़की, उसके लिए एल्गार परिषद ज़िम्मेदार है। इसी संगठन ने हिंसा से एक दिन पहले पुणे के शनिवारवाड़ा में एक बैठक बुलाई थी। बैठक के अगले दिन जो हिंसा हुई उसके तार इस बैठक से जुड़ते हैं। इसके पीछे बड़ी नक्सल साज़िश थी।' इसके कुछ महीनों बाद इस घटना से संबंधित मामले की जांच पुणे पुलिस ने शुरू की और इस जांच में देश के विभिन्न राज्यों से वामपंथी या उस विचारधारा के करीब रहने वाले कार्यकर्ताओं, लेखकों, पत्रकारों और प्रोफेसरों को गिरफ़्तार किया गया।

इस मामले में अब तक कुल 16 लोगों को गिरफ़्तार किया जा चुका है। इनमें से कुछ को काफ़ी समय बाद ज़मानत मिल गई, ज्यादातर अभी भी जेल में हैं, एक अभियुक्त की मौत भी हो गई। इस मामले में जो अभियुक्त बनाए गए, उनके ख़िलाफ़ देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया। UAPA जैसे सख़्त क़ानून के तहत आरोप तय किए गए। घटना के दो साल बाद जनवरी 2020 में पूरे मामले की जांच नेशनल इन्वेस्टिगेटिव एजेंसी को सौंपी गई। इस घटना के छह साल बीतने के बाद भी कई अभियुक्त जेल में बंद हैं। वकील सुरेंद्र गाडलिंग, सुधीर धवले, रोना विल्सन, शोमा सेन, महेश राउत, कवि वरवर राव, सामाजिक कार्यकर्ता सुधा भारद्वाज, अरुण फरेरा, वर्नोन गोंसाल्वेस और पत्रकार गौतम नवलखा को जून से लेकर अगस्त, 2018 के दौरान गिरफ़्तार किया गया था। इसके कुछ दिनों के बाद मामले में प्रोफेसर आनंद तेलतुंबडे, दिवंगत फादर स्टेन स्वामी, हन्नी बाबू, सागर गोरखे, रमेश गैचोर और ज्योति जगताप को गिरफ्तार किया गया।

इन गिरफ्तारियों के साथ-साथ इन अभियुक्तों की ज़मानत याचिकाएं और उनके जेल में मिलने वाली सुविधाओं और पाबंदियों की चर्चा भी होती रही। – **साभार, बीबीसी**

इसराइल ने कहा-हमास के साथ युद्ध चरम पर, बताया 2024 में क्या होगा?

इसराइल और हमास के बीच युद्ध जल्द खत्म होने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। इसराइली सेना ने कहा है कि 2024 में भी ग़ज़ा का संघर्ष जारी रह सकता है।

इसराइल डिफेंस फोर्सेज के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने कहा कि लंबे युद्ध के आसार को देखते हुए सैनिकों की तैनाती के पैटर्न में तब्दीलियां की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ सैनिक खास कर रिजर्व सैनिकों को मोर्चे से निकाल कर नए सिरे से संगठित किया जाएगा।

उन्होंने कहा, ''ये बदलाव इसलिए किए जा रहे हैं ताकि योजना और तैयारी में मदद मिल सके। इसराइली सेना को लग रहा है कि आगे अतिरिक्त मिशनों के लिए और अधिक तैयारी की जरूरत पड़ेगी क्योंकि युद्ध पूरे साल चलेगा।''

उन्होंने कहा कि कुछ रिजर्व सैनिक ग़ज़ा से जल्द से जल्द इस सप्ताह तक निकल जाएंगे ताकि आने वाले ऑपरेशनों के लिए वो दोबारा ऊर्जा भर सकें।

हमास की ओर से संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक़ इसराइल के साथ पिछले 11 सप्ताह की लड़ाई में कम से कम 21 हजार 800 लोग मारे गए हैं। इनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं।

ग़ज़ा की 85 फीसदी आबादी दर-बदर

इस साल 7 अक्टूबर को दक्षिणी इसराइल पर हमास के हमले के बाद जवाबी कार्रवाई में इतने लोगों के मारे जाने का दावा किया जा रहा है।

हमास के हमले में 1200 लोगों की मौत हो गई थी। इनमें से ज्यादातर नागरिक थे। हमास के हमलावर अपने साथ 240 लोगों के बंधक बना कर ले गए थे।

इसराइल हाल तक इस साल के आखिर तक ग़ज़ा में बम बरसाता रहा है।

रविवार को इसराइल की शुरू गई बमबारी में अब तक 48 लोगों के मौत हुई है। कई लोग अब भी मलबे में दबे हैं।

चश्मदीदों के मुताबिक़ इस इसराइली हमले में ग़ज़ा सिटी के पश्चिम स्थित अल-अक्सा यूनिवर्सिटी में शरण लिए हुए 20 लोगों की मौत हो गई। हालांकि बीबीसी इसकी पुष्टि नहीं कर सका है।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि इसराइली हमले के बाद ग़ज़ा में रहने वाले 24 लाख लोगों में से लगभग 20 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है।

युद्ध चरम पर है : नेतन्याहू

इसराइली बमबारी के बारे में बताते हुए उत्तरी ग़ज़ा से विस्थापित होकर रफाह पहुंचे 57 साल की जैनब खलील ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स से कहा, ''दुनिया भर के देशों के आसमान आज आतिशबाजी से चमक रहे होंगे। लोगों के हंसने-खिलखिलाने से माहौल गूंज रहा होगा लेकिन ग़ज़ा में हमारा आसमान इसराइली मिसाइलों से भरा हुआ है।"

"यहां तोपों से गोलाबारी हो रही और इसने बेकसूर लोगों को विस्थापित कर दिया है।''

शनिवार को इसराइल के प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू ने कहा, ''युद्ध चरम पर है। हमारे सेना प्रमुख ने कहा है कि युद्ध अभी और कई महीने तक चलेगा ''।

रविवार को मध्य ग़ज़ा में इसराइल ने कई हमले किए। अल-मगज़ी और अल-बुरेजी में हवाई हमले की ख़बर है।

रविवार की सुबह हमास की ओर से संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया था कि शनिवार के इसराइली हमले में 150 लोग मारे गए हैं।

इसराइल के धुर दक्षिणपंथी वित्त मंत्री बेज़ाले स्मोत्रिक ने फ़लस्तीनियों से ग़ज़ा छोड़ कर चले जाने को कहा है, ताकि इसराइलियों का रास्ता साफ हो और वे इस 'रेगिस्तान में फूल खिला' सकें।

हमास का हमला भी जारी

इसराइल सरकार का आधिकारिक रुख ये है कि ग़ज़ा में रहने वालों को आखिर अपने घर लौटना है लेकिन कैसे और कब यह पता नहीं है।

इस बीच इसराइल की राजधानी तेल अवीव में हवाई हमले के सायरन सुनाई पड़ते रहे। नए साल में भी इसराइली मिसाइल डिफेंस सिस्टम ग़ज़ा से दागी गई मिसाइलों को रोकते रहे।

तेल अवीव में नया साल मना रहे एक शख्स ने अपने दोस्त से कहा, ''मैं बुरी तरह डर गया, क्योंकि मैंने पहली बार मिसाइल देखी थी। ये सचमुच डरावना था।''

हमास के मिलिट्री विंग एज़िदिन अल-कासिम ब्रिगेड ने इन दोनों हमले की जिम्मेदारी लेते हुए सोशल मीडिया पर इसकी पुष्टि की है।

उन्होंने कहा है कि इसराइल की ओर से किए जाने वाले नरसंहार के जवाब में उन्होंने एम90 रॉकेट इस्तेमाल किए हैं। – **साभार, बीबीसी**

नववर्ष पर सांग कबीर ढाई आखर प्रेम के पढ़े, सो पंडित होये

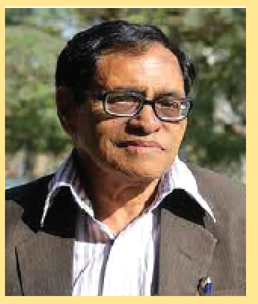

कमलेश भारतीय

नववर्ष की पूर्व संध्या के अवसर पर लक्ष्मी बाई महिला महाविद्यालय की प्राचार्य व प्रसिद्ध रचनाकार डॉ शमीम शर्मा के अर्बन एस्टेट स्थित आवास पर हरे भरे लॉन्च में न केवल नववर्ष का अभिनंदन किया गया बल्कि प्रसिद्ध सांस्कृतिक कलाकार डॉ सतीश कश्यप की ओर से हमारी आत्मा को झिंझोड़ कर रख देने वाले फक्कड़ कवि कबीर पर सांग का मंचन भी करवाया गया, जो लगभग सवा घंटे तक प्रवाहित होता रहा, आनंदित करता रहा। कवि कबीर के जन्म से लेकर अंतिम विदाई तक के जैसे दृश्य साकार कर दिये सतीश कश्यप व उनके सहयोगी कलाकारों ने। लहरतारा तालाब पर विधवा ब्राहम्णी द्वारा निर्जन छोड़ दिये गये नवजात शिशु को नीमा और नीरू नामक जुलाहा दम्पत्ति गोद में लेकर पालन पोषण करते हैं। अपने काम में मग्न होने के बावजूद कबीर निर्गुण भक्ति में लीन रहते हैं लेकिन कोई भी उन जैसे छोटी जात के होने के कारण शिष्य नहीं बनाता तब वे एक तरकीब निकालते हैं और काशी में गंगा के घाट पर आधी रात जाकर लेट जाते हैं। स्वामी रामानंद जब स्नान करने गंगा के घाट पर पहुँचते हैं तब उनका पांव कबीर की छाती पर पड़ जाता है और वे राम राम कहते हैं लेकिन कबीर उनके पांव पकड़ कर उन्हें अपना शिष्य बनाने की विनती करते हैं। फिर वे राम नाम का गुरुमंत्र लेकर ही आते हैं।

कबीर निर्गुण को मानते हैं और इसीलिए न केवल हिन्दू बल्कि मुस्लिम समाज को भी झिंझोड़ते हुए कहते हैं :

पाथर पूजे हरि मिले तो मैं पूजूं
पहाड़ ताते ये चक्की भली, जो पीस खाये संसार !

इसी तरह वे दूसरी चोट करते हैं :

कंकर पत्थर जोरि के मस्जिद लई बनाये
तां चढने मुल्ला बांग दे
क्या बहरा हुआ खुदाये !

इस दुनिया में प्रेम से बढ़कर कोई ग्रंथ नहीं :

पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोई
ढाई आखर प्रेम का पढ़े सो पंडित होये !

भगवान् तो हर जगह, हर मन में मौजूद है, उसके लिए बाहरी आडम्बर किसलिए ?

न मंदिर, न काबा, न कैलाश में
मुझको कहाँ ढूंढे रे बंदे, मैं तो तेरे पास में !

फिर बीच बीच में सुनाते हैं बार बार :

मन लागा यार फकीरी में !

इस भाव विह्वल प्रस्तुति में डॉ सतीश कश्यप, संजना कश्यप, विभोर भारद्वाज और संगीत पर विनोद गोल्डी, अनिल सैनी, राजेंद्र नगाड़ा, राजेश मसीह और नीरज ने पूरा संगीतमयी माहौल बनाये रखा !

इस अवसर पर जहाँ वयोवृद्ध डॉ कुमुद शर्मा मौजूद रहीं, नही प्रसिद्ध समाजसेविका व मोक्षाश्रम की संचालिका पंकज संधीर, प्रसिद्ध अधिवक्ता पी के संधीर, डॉ संजय शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार रमन मोहन, कुलराज मोहन, डॉ सविता, प्रो देवेंद्र मोहन, रमन नास्सा, डॉ नीलम प्रभा, भारत भूषण प्रधान, अजीज प्रधान, सुनयना प्रधान, विशाल वत्स, सीमा वत्स, नीलम भारती, रश्मि, पूनम परिणीता, जीतेंद्र मलिक, मीनू मलिक, सुनीता महरानी, स्वराज, कविता अग्रवाल अपर्णा रायजादा, सरला रवींद्र जगदीप भार्गव ,सुचेता सर्राफ, प्रवीण सैनी आदि मौजूद रहे। बाद में नववर्ष का केक काटा गया !

साल 2024 में कब है रामनवमी? जानें पूजा की सही विधि एवं शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को रामनवमी बड़ी धूमधाम से मनाई जाती है। इस दिन मां दुर्गा और भगवान राम की पूजा का विशेष महत्व माना गया है। ऐसी मान्यता है कि भगवान राम ने युद्ध में जीत हासिल करने के लिए देवी दुर्गा की उपासना की थी, इसलिए नवरात्रि की नवमी तिथि पर देवी दुर्गा के साथ भगवान राम की भी पूजा की जाती है।

हिंदू धर्म में रामनवमी का दिन बेहद ही खास होता है क्योंकि इस दिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का जन्म हुआ था। पौराणिक कथाओं के मुताबिक, चैत्र माह की नवमी तिथि पर कौशल्या ने भगवान राम को जन्म दिया था, इसलिए इस दिन को राम जी के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है।

रामनवमी 2024 शुभ मुहूर्त

साल 2024 में रामनवमी (Ram Navami) 17 अप्रैल बुधवार को है। पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 11:03 से दोपहर 1:38 तक है। ऐसे में पूजा के लिए 2 घण्टे 35 मिनट का समय मिलेगा। नवमी तिथि का आरंभ 16 अप्रैल 2024 दोपहर 1:23 से होगा और अगले दिन 17 अप्रैल की दोपहर 3:14 बजे तिथि समाप्त होगी।

क्यों मनाई जाती है रामनवमी?

शास्त्रों में भगवान राम और उनके तीनों भ्राताओं के जन्म को लेकर एक पौराणिक कथा बताई गई है। इसके अनुसार, जब राजा दशरथ की रानियों कौशल्या, सुमित्रा और कैकयी में से जब तीनों को ही पुत्र की प्राप्ति नहीं हुई तब, राजा दशरथ ने पुत्रेष्टि यज्ञ करवाया और प्रसाद में यज्ञ से निकली खीर तीनों रानियों को खिलाई जिसके बाद राजा दशरथ की तीनों रानियों ने गर्भधारण किया। उसके नौ महीने बाद कौशल्या ने भगवान राम, कैकेयी ने भरत और सुमित्रा ने लक्ष्मण को जन्म दिया। तब से ही ये तिथि रामनवमी के रूप में मनाई जाती है।

रामनवमी पूजा विधि

रामनवमी पर रामायण और राम रक्षा स्त्रोत का पाठ करना बेहद शुभ माना जाता है। रामनवमी की पूजा के समय पंचदेव यानी सूर्यदेव, भगवान गणेश, माता दुर्गा, शिव और विष्णु भगवान का आसन लगाकर स्थापना करें। रामनवमी के दिन ब्रह्मा मुहूर्त में उठकर स्नान आदि से निवृत्त हो जाना चाहिए। उसके बाद स्वच्छ वस्त्र धारण करें और सूर्यदेव को जल अर्पित करें। पूजा स्थल पर गंगाजल से छिड़काव करते हुए सफाई करें।

फिर हाथ में अक्षत पूजा और व्रत का संकल्प लें। उसके बाद भगवान राम की पूजा आराधना आरंभ करें। भगवान श्रीराम को फल, फूलों की माला, मिठाई, होली, चंदन, धूप, दीप और तुलसी के पत्ते आदि अर्पित करें। भगवान राम के साथ माता सीता की भी पूजा करें। रामचरितमानस, रामायण, राम रक्षा स्त्रोत और हनुमान चालीसा का पाठ करें। अंत में भगवान राम की आरती करते हुए भगवान राम और माता सीता से सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मांगे।

रामनवमी का महत्व

राम भक्तों के लिए रामनवमी का बहुत महत्व होता है। सभी राम भक्त इस पावन दिवस पर परम श्रद्धा और विश्वास के साथ पूजन-अर्चन करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन राम नाम जप करने से, रामायण पाठ व श्रवण करें से इंसान की हर शुभ मनोकामना पूरी होती है। रामनवमी के दिन भगवान राम की पूजा करने से व्यक्ति के जीवन से दुख और संकट हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं और साथ ही प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

जान के बदले जान... बाबर के उन तीन फेरों की कहानी जिसने बेटे को बचा लिया

मुगल साम्राज्य का सबसे क्रूर और ताकतवर शासक औरंगजेब अपने ही भाई दारा शिकोह के खून का प्यासा था। गद्दी हासिल करने के लिए उसने अपने पिता शाहजहां तक को किले में बन्दी बना लिया था। लेकिन इन्हीं मुगलों के इतिहास में बाप-बेटे की एक ऐसी जोड़ी भी थी जिसने एक-दूसरे की जान लेने की बजाय एक दिलचस्प किस्से को जन्म दे दिया।

यह बाप-बेटे की जोड़ी मुगल सल्तनत की नींव रखने वाले बाबर और उसके बेटे हुमायूं की है। भारत में बाबर को क्रूरता अभिप्राय माना जाता है। उसके कत्ल-ए-आम और लूटपाट कई मिसालें मिलती हैं। इतिहासकारों की मानें तो 1530 में आज ही के दिन यानी 26 दिसम्बर को बाबर का निधन हुआ था।

जिंदगी के बदले जिंदगी

'तवारीख-ए-आगरा' किताब में इतिहासकार राजकिशोर राजे लिखते हैं, 'बाबर को उस समय के मशहूर फकीर अबूबका ने एक उपाय सुलझाया। फकीर ने बाबर से उसकी सबसे कीमती चीज को दान देकर खुदा से हुमायूं की जिंदगी के लिए प्रार्थना करने को कहा।' बाबर ने सोच-विचार करने के बाद तय किया कि वो हुमायूं की जिंदगी के बदले अपनी जान देगा।

बाबर ने बीमार बेटे की पलंग के तीन चक्कर लगाए और प्रार्थना की, 'ऐ खुदा अगर जिंदगी के बदले जिंदगी दी जा सकती हो, तो मैं अपने बेटे हुमायूं की जिंदगी के बदले अपनी जिंदगी देता हूं।'

इस प्रार्थना का वो असर हुआ जो कोई भी हकीम नहीं कर पाया। हुमायूं की बहन गुलबदन हुमायूं की जीवनी में लिखती हैं, 'उसी दिन से बाबर की हालत बिगड़ने लगी और हुमायूं ठीक होते चले गए। बाबर बिस्तर पर पड़ गए।'

दो बार दफन हुआ बाबर

हुमायूं के ठीक होने के कुछ महीनों बाद बाबर बहुत ज्यादा बीमार हो गया। जब ये लगने लगा कि अब उसकी मौत करीब है, तो हुमायूं को उसके अभियान से आगरा बुलाया गया। अपने आखिरी समय में बाबर ने अपने सबसे प्रिय बेटे हुमायूं को अपना वारिस घोषित किया। बाबर ने इस समय हुमायूं को कुछ सलाह दी। उसने हुमायूं से प्रजा और भाइयों का ख्याल रखने और उनके साथ दया से पेश आने की सीख दी।

कुछ दिनों बाद 26 दिसम्बर 1530 को आगरा में बाबर ने आखिरी सांस ली। बाबर की मौत के बाद हुमायूं 27 साल की उम्र में भारत की गद्दी पर बैठा।निधन के बाद बाबर को वहीं आगरा के चौबुर्जी में दफन किया गया था। यह यमुना नदी के तट के करीब थी। हालांकि, बाबर की इच्छा थी कि उसे काबुल में दफनाया जाए। इसलिए बाद में उसके शव को अफगानिस्तान के काबुल में बाग-ए-बाबर गार्डन में दफनाया गया। इसे बाबर ने 1504 में काबुल जीतने के बाद बनवाया था।

माम मुश्किलों के बाद बाबर को भारत में जीत हासिल हुई थी। बाबर की बदौलत उसकी अगली पीढ़ियों ने 300 साल तक हिन्दुस्तान पर राज किया, लेकिन उसके जैसा पिता पूरी मुगल सल्तनत में कोई नहीं बन पाया।

मूर्तियों की क्यों की जाती है प्राण प्रतिष्ठा, जानिए पूजन विधि और महत्व

सनातन धर्म में पाठ-पूजा का विशेष महत्व है। शास्त्रों में भी पूजा-पाठ और अनुष्ठान का वर्णन है। मंदिरों के अलावा घर पर भी देवी-देवताओं की पूजा की जाती है। व्यक्ति अपने घर पर किसी न किसी देवी-देवताओं की प्रतिमा स्थापित करते हैं। शास्त्रों के अनुसार, बिना प्राण प्रतिष्ठा के मूर्ति की पूजा नहीं करनी चाहिए और इस प्रकार की अनदेखी करने से व्यक्ति को पूजा का शुभ फल प्राप्त नहीं होता है। लेकिन क्या आपको पता है कि मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा क्यों की जाती है और इसकी प्रक्रिया क्या होता है। पूरी जानकारी विस्तार से जानने के लिए पढ़ें ये लेख...

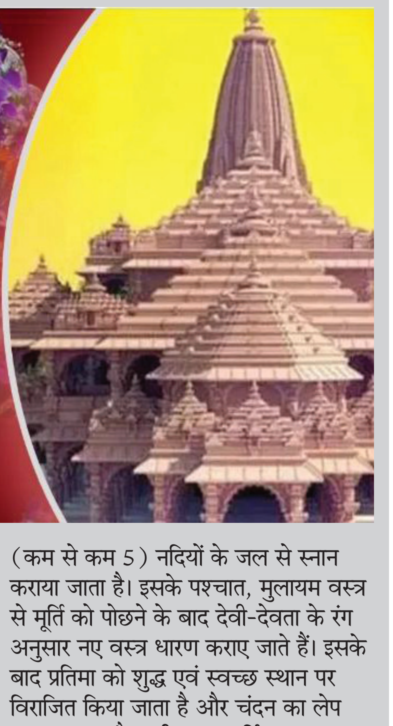

धर्म गुरुओं के अनुसार, मंदिर या घर पर मूर्ति स्थापना के समय प्रतिमा रूप को जीवित करने की विधि को प्राण प्रतिष्ठा कहा जाता हैं। सनातन धर्म में प्राण प्रतिष्ठा का विशेष महत्व होता है। मूर्ति स्थापना के समय प्राण प्रतिष्ठा अवश्य की जानी चाहिए। साल 2024 में 22 जनवरी को अयोध्या के राम मंदिर में भी प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया जाएगा। इसमें रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इसकी शुरुआत 16 जनवरी से होगी। इस दिन से ही प्राण प्रतिष्ठा हेतु अनुष्ठान किए जाएंगे। धार्मिक मत है कि प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात मूर्ति रूप में उपस्थित देवी-देवता की पूजा-उपासना की जाती है।

प्राण प्रतिष्ठा का महत्व

हिंदू धर्म में प्राण प्रतिष्ठा एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है, जिसके जरिए मंदिर में देवी-देवताओं की मूर्ति को प्रतिष्ठित किया जाता है। ये काम अनुष्ठान के जरिए होता है और इसमें भजन और मंत्रों के पाठ के बीच मूर्ति को पहली बार स्थापित किया जाता है। वैसे प्राण शब्द का अर्थ है जीवन शक्ति और प्रतिष्ठा का अर्थ है स्थापना। प्राण प्रतिष्ठा का शाब्दिक अर्थ है, जीवन शक्ति की स्थापना करना या देवता को जीवन में लाना।

हिंदू धर्म में प्राण प्रतिष्ठा से पहले किसी भी मूर्ति पूजा के योग्य नहीं मानी जाती है बल्कि निर्जीव मूर्ति मानते हैं। प्राण प्रतिष्ठा के जरिए उनमें शक्ति का संचार करके उन्हें देवता में बदला जाता है। इसके बाद वो पूजा और भक्ति के योग्य बन जाती है। फिर लोग इन मूर्तियों की पूजा कर सकते हैं। ऐसा माना जाता है कि प्राण-प्रतिष्ठा की प्रक्रिया के बाद ही मंदिर में भगवान के रूप की एक मूर्ति स्थापित की जाती है और उसकी पूजा की जाती है। जब भक्त किसी भी ऐसे स्थान पर पूजन करते हैं तब उनकी मनोकामनाओं को पूर्ति होती है।

इन मंत्रों के साथ होती है प्राण प्रतिष्ठा

मानो जूतिर्जुषतामाज्यस्य बृहस्पतिर्यज्ञमिमं,
तनोत्वरिष्टं यज्ञ गुम समिमं दधातु विश्वेदेवास
इह मदयन्ता मोम्प्रतिष्ठ ।।
अस्यै प्राणाः प्रतिष्ठन्तु अस्यै प्राणाः क्षरन्तु च
अस्यै, देवत्व मर्चायै माम् हेति च कश्चन ।।
ॐ श्रीमन्महागणाधिपतये नमः सुप्रतिष्ठितो
भव, प्रसन्नो भव, वरदा भव ।।

ये है प्राण प्रतिष्ठा की प्रक्रिया

प्राण प्रतिष्ठा के लिए सबसे पहले देवी-देवताओं की प्रतिमा को गंगाजल या विभिन्न (कम से कम 5) नदियों के जल से स्नान कराया जाता है। इसके पश्चात, मुलायम वस्त्र से मूर्ति को पोछने के बाद देवी-देवता के रंग अनुसार नए वस्त्र धारण कराए जाते हैं। इसके बाद प्रतिमा को शुद्ध एवं स्वच्छ स्थान पर विराजित किया जाता है और चंदन का लेप लगाया जाता है। इसी समय मूर्ति का खास तरीके से सिंगार किया जाता है और बीज मंत्रों का पाठ कर प्राण प्रतिष्ठा की जाती है। इस समय पंचोपचार कर विधि-विधान से भगवान की पूजा-अर्चना की जाती है और अंत में आरती कर लोगों को प्रसाद वितरित किया जाता है।

ऐसी मान्यता है कि मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा करने से ईश्वर की पूजा करने से लोगों को भय से मुक्ति मिलती है। सभी बाधाओं से मुक्ति मिलती है और कष्टों को दूर करने का मौका मिलता है। यही नहीं शांति की तलाश में भी भक्त ईश्वर की शरण में प्राण प्रतिष्ठित मूर्ति की पूजा करते हैं। मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा से व्यक्तिगत जीवन से बाधाओं को दूर करने का मौका मिलता है। प्राण प्रतिष्ठित मूर्ति की पूजा करने वालों को रोग दोष से भी मुक्ति मिलती है।

हनुमान जी ने सूर्य देव को गुरु बनाने के बाद आखिर कैसे सीखीं 9 विद्याएं, कई बाधाओं का किया सामना

हिन्दू धर्म में सूर्य भगवान की रोजाना पूजा अर्चना की जाती है और लोग रोज सूर्य देव को जल से अर्घ्य देते हैं। जिससे लोगों का ज्ञान बढ़ता है। सूर्य एकमात्र प्रत्यक्ष दिखने वाले देवता हैं। हिंदु धर्मग्रंथ में बताया गया है कि हनुमान जी ने भी सूर्यदेव को अपना गुरु बनाया था और सभी वेदों का ज्ञान प्राप्त किया था। नए साल का आगमन जल्द ही होने जा रहा है। ऐसे में सूर्य देव की उपासना और उन्हें प्रसन्न कर मनचाहा वरदान पा सकते है।

एक कथा के अनुसार, हनुमान जी जब बाल्यावस्था से थोड़े बड़े हुए तो उनके माता-पिता यानी अंजनी और केसरी ने उन्हें सूर्यदेव के पास भेजा, ताकि वे सभी वेदों का ज्ञान प्राप्त कर सकें। अपने माता-पिता की बात मानकर हनुमान जी ने सूर्य देव के पास पहुंच गए। उन्होंने सूर्य से गुरु बनने की प्रार्थना की। सूर्यदेव ने सोचा कि यह बालक इतना बलशाली है कि कुछ समय पूर्व मुझे ही निगल गया था। कहीं इसे शिष्य बना लिया तो पता नहीं और क्या क्या उत्पात मचाएगा।

सूर्य देव ने हनुमान जी बात सुनी और कहा कि मैं एक पल भी कहीं ठहरता नहीं हूं। मेरा रथ लगातार चलता है, मैं रथ से उतर नहीं सकता, ऐसे में मैं तुम्हें ज्ञान कैसे दे सकता हूं? हनुमान जी बोले कि आप बिना रुके ही मुझे शिक्षा दे सकते हैं। मैं आपके साथ चलते-चलते ज्ञान प्राप्त कर लूंगा। सूर्य देव ने हनुमान जी की बात मान ली। इसके बाद सूर्य देव ने हनुमान जी को सभी वेदों का ज्ञान दिया। शास्त्रों के रहस्य बताए। हनुमान जी ने भी शांति के साथ सारी बातें समझी और सूर्य देव से ज्ञान प्राप्त किया।

4 विद्याओं के लिए मुश्किल में पड़े हनुमान

जब हनुमानजी सूर्यदेव के शिष्य बने तब हनुमानजी ने अपने स्वरुप को विराट किया। उसके बाद जिस वेग से भगवान सूर्य अपने रथ पर चल रहे थे उसी वेग से सूर्य के समानांतर हनुमानजी उड़ने लगे। सूर्यदेव ने उन्हें एक-एक करके सभी विद्याएं देना प्रारम्भ किया। पराशर सहिंता के अनुसार, सूर्य को हनुमानजी को 9 प्रकार की विद्या प्रदान करनी थी। परंतु उन 9 विद्याओं में 5 विद्याएं तो हनुमानजी को दे दी पर 4 विद्याएं ऐसी थी जो केवल विवाहितों को ही प्रदान की जाती हैं। सूर्यदेव ने हनुमानजी को आगे की विद्या के लिए विवाह करने को कहा। हनुमानजी बाल्यकाल से ही ब्रह्मचर्य का पालन करने का निर्णय ले चुके थे। अब विवाह वो कर नहीं सकते थे और यदि विवाह नहीं करते तो आगे की विद्या उन्हें प्राप्त नहीं हो सकती थी। हनुमानजी निराश हो गए और सोच में पड़ गए कि इस समस्या का समाधान कैसे निकाला जाए। हनुमानजी ने सोचा की गुरु से बड़ा मार्गदर्शक इस संसार में कोई दूसरा नहीं है।

सूर्य देव से मांगा सुझाव

हनुमानजी ने सोचा कि अपने गुरु सूर्य देव से ही समाधान लिया जाए। ऐसा विचार कर हनुमानजी सूर्य के पास आये और अपनी समस्या बताई। सूर्य देव ने कहा कि समस्या तो गंभीर है। एक तरफ विवाह के बिना तुम्हे विद्या प्राप्त नहीं होगी और दूसरी तरफ तुमने ब्रह्मचर्य का पालन करने का व्रत लिया है। सूर्य देव ने एक युक्ति सुझाई कि हनुमान तुम एक काम करो किसी कन्या से विवाह कर लो लेकिन गृहस्थी मत बसाना। तो तुम्हारा ब्रह्मचर्य भी नहीं टूटेगा और तुम विद्या भी प्राप्त कर लेना। फिर हनुमान जी ने ठीक वैसा ही किया।

न्यूज ब्रीफ..

विजाय कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के विशेष मुख्य सचिव का पद संभाला

राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . सीनियर आई. ए. एस. अधिकारी विजॉय कुमार सिंह ने सोमवार को राज्य सरकार के सीनियर अधिकारियों की मोजूदगी में मुख्यमंत्री भगवंत मान के विशेष मुख्य सचिव का पदभार संभाला।

पद संभालने के उपरांत मीटिंग की अध्यक्षता करते हुये विजोय कुमार सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की जनहितैषी और विकास परक नीतियों का लाभ ज़मीनी स्तर तक पहुंचाना उनकी प्रमुख प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि लोगों को साफ़-सुथरा, असरदार, प्रभावशाली, पारदर्शी और जवाबदेही वाला शासन मुहैया करवाने पर ज़ोर दिया जायेगा। विजॉय कुमार सिंह ने कहा कि इस नेक कार्य के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जायेगी। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि राज्य सरकार की स्कीमों का लाभ लोगों को मिलना यकीनी बनाया जाये।

सिंह ने कहा कि राज्य सरकार की दृढ़ वचनबद्धता के अंतर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार, औद्योगिक विकास और अन्य सम्बन्धित क्षेत्रों की तरफ और ज्यादा ध्यान दिया जायेगा। उन्होंने नागरिक केंद्रित सेवाओं का लाभ निर्धारित समय के अंदर लोगों तक पहुँचाने को यकीनी बनाने के लिए कहा। विजॉय कुमार सिंह ने कहा कि पुलिस और अन्य विभागों के दरमियान बेहतर तालमेल भी यकीनी बनाया जाना चाहिए जो सरहदी राज्य के व्यापक हित में है। पद संभालने के लिए बधाई देने पहुँचे अधिकारियों को अपनी ड्यूटी और अधिक मेहनत और शिद्दत के साथ करने के लिए कहा जिससे लोगों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के सीनियर अधिकारी विजॉय कुमार सिंह, ने राज्य और केंद्र सरकारों में विभिन्न पदों पर ज़िम्मेदारी निभाई है। साल 1990 बैच के आई. ए. एस. अधिकारी भारत सरकार में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग में संयुक्त सचिव, वस्त्र मंत्रालय में विशेष सचिव, रक्षा मंत्रालय के पूर्व सैनिकों के कल्याण संबंधी विभाग में सचिव के पद पर काम किया है।

हरियाणा के सरकारी कर्मचारियों और आश्रितों के लिए कैशलैस इलाज योजना शुरू

राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . हरियाणा सरकार ने नववर्ष 2024 के अवसर पर सरकारी कर्मचारियों व उनके आश्रितों को कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा का बड़ा तोहफा दिया है। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने सोमवार को यहां आयुष्मान योजना के तहत कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल भी उपस्थित रहे।

राज्य सरकार ने 1 नवंबर, 2023 को कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा देने के लिए दो विभागों मत्सय व बागवानी के कर्मचारियों को शामिल करते हुए पायलट आधार पर योजना शुरू की थी, जिसे सोमवार को सभी नियमित सरकारी कर्मचारियों के लिए विस्तारित कर दिया गया है। इसके अलावा, इस योजना को पायलट आधार पर बागवानी और मत्स्य पालन विभाग, आईएएस, आईपीएस और आईएफओएस के कर्मचारियों और उनके आश्रितों तक भी बढ़ाया जा रहा है। यह योजना आयुष्मान भारत हरियाणा स्वास्थ्य संरक्षण प्राधिकरण (राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण) के माध्यम से कार्यान्वित की जा रही है। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सोमवार को यहां आयोजित कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों को सांकेतिक रूप से आयुष्मान कार्ड भी वितरित किए। सभी हितधारकों जैसे पैनलबद्ध अस्पतालों और लाभार्थियों को इस कैशलेस योजना से बहुत लाभ होगा क्योंकि इसके अंतर्गत सूचीबद्ध प्रक्रियाएं पूर्ण रूप से कैशलेस होंगी और अस्पताल को एक निर्दिष्ट समय सीमा के भीतर एक ही प्लेटफॉर्म से उनके दावों को मंजूरी मिल जाएगी। यह योजना लाभार्थियों और अन्य हितधारकों को अधिक कुशल, निर्बाध, परेशानी मुक्त और समयबद्ध सेवाएं प्रदान करेगी। यह योजना मौजूदा प्रावधानों के अनुसार न केवल छः जीवन-घातक आपात बिमारियों यानी हृदय संबंधी आपात स्थिति, मस्तिष्क रक्तस्राव, कोमा, बिजली का झटका, थर्ड व फोर्थ स्टेज कैंसर रोगी, और किसी भी प्रकार की दुर्घटनाओं को कवर करती है, बल्कि यह लाभार्थियों की स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करते हुए सभी प्रकार के इनडोर उपचारों /डे केयर प्रक्रियाओं को कवर करती है। ये सेवाएं इस योजना के तहत डीजीएचएस के पैनल में शामिल सभी अस्पतालों में लाभार्थियों के लिए उपलब्ध होंगी। सूचीबद्ध अस्पतालों में योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए सभी लाभार्थियों को ई-कार्ड/सीसीएचएफ कार्ड जारी किया जाएगा। लाभार्थी पेयी कोड, आधार नंबर या पीपीपी नंबर का उपयोग करके लाभ उठा सकते हैं। योजना के तहत पूरा खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

बेटों सहित किया रक्तदान, प्रयोगशाला सहायक ने स्वयं 50 बार तो बेटों ने 5 वीं व पहली बार रक्तदान करके नई मिसाल की कायम

मंडी . जोनल अस्पताल मंडी में कार्यरत वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक ने अपने बेटों सहित रक्तदान करके एक नई मिसाल व उदाहरण कायम किया। साथ ही रक्तदान महादान को लेकर भी एक प्रेरणा समाज के लिए पैदा की है। नए साल के पहले दिन सोमवार को जोनल अस्पताल मंडी में कार्यरत वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक अमरजीत शर्मा जो स्वास्थ्य विभाग कर्मचारी महासंघ के जिला प्रधान भी हैं ने 50 वीं बार रक्तदान किया जबकि उनके बड़े बेटे अभिनव शर्मा ने 5वीं बार रक्तदान किया। इसमें उनका छोटा बेटा अक्षित शर्मा भी पीछे नहीं रहा और उसने भी पहली जनवरी को अपने जन्म दिन के मौके पर महादान की शुरूआत करते हुए पहली बार रक्तदान किया। इस मौके पर अमरजीत ने कहा कि अपने छोटे बेटे के जन्मदिन पर वह अपने बेटों के साथ रक्तदान करना चाहते थे ताकि रक्तदान को लेकर युवाओं में एक अच्छा संदेश जाए। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से कोई शारीरिक कमजोरी नहीं आती। जो रक्त शरीर से लिया जाता है वह 24 घंटे से लेकर 7 दिन के अंदर पूरा हो जाता है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वह ज्यादा से ज्यादा रक्तदान करने के लिए आगे आएं ताकि उस इन्सान जिसको रक्त की जरूरत पड़ती है को समय पर रक्त मिल जाए और उसकी जान बच जाए। उन्होंने कहा कि दोनों बेटों के साथ रक्तदान करके वह खुशी महसूस कर रहे हैं। इस मौके पर जोनल अस्पताल मंडी के वरिष्ठ चिकित्सा अधीक्षक डॉ धर्म चंद वर्मा भी विशेष तौर पर मौजूद रहे। उन्होंने इस नेक काम के लिए अमरजीत व उनके बेटों को शुभकामनाएं दी व कहा कि रक्तदान से बढ़ कर कोई दान नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कुल्लू में 198 करोड़ रुपये लागत की 13 परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास किए

प्रचण्ड समय . शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज जिला कुल्लू के प्रवास के दौरान जिला के लिए 198 करोड़ रुपये की 13 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास किए। इस अवसर पर उन्होंने लोगों को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि इन परियोजनाओं से स्थानीय निवासी और पर्यटक दोनों ही लाभान्वित होंगे।

मुख्यमंत्री ने राज्य के समान विकास के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर बल देते हुए कहा कि यह विकास परियोजनाएं कुल्लू जिले के विकास में मील पत्थर साबित होंगी।

मुख्यमंत्री ने 20 करोड़ रुपये से की लागत से निर्मित सब्जी मंडी बंदरोल तथा 9.07 करोड़ रुपये से रायसन में ब्यास नदी पर बने डबल लेन पुल का लोकार्पण किया। उन्होंने नेहरू कुंड (बाहांग) में ब्यास नदी पर बुरवा और शनाग सम्पर्क मार्ग को जोड़ने वाले 6.44 करोड़ रुपये से बने स्टील ट्रस ब्रिज, जगतसुख नाला पर 4.07 करोड़ रुपये और चक्की नाला पर 3.37 करोड़ रुपये से बने आरसीसीटी-बीम पुलों, पतलीकूहल में 20 लाख रुपये से बने विवेकानन्द पुस्तकालय, मनाली में 7.83 करोड़ रुपये से बनी इको-फ्रेंडली मार्केट मढ़ी, सोलंगनाला में 54 लाख रुपये से तैयार वे साइड सुविधाएं और सजला में 29 लाख रुपये की लागत से निर्मित आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने 130.18 करोड़ रुपये की लागत से भबेली जिंदौर सड़क के रखरखाव और टारिंग, 3.59 करोड़ रुपये की बंदरोल दीदारी शरण सड़क, 1.49 करोड़ रुपये की फ्लेन से ग्राहन सड़क और 10.86 करोड़ रुपये से ब्यास नदी के दाहिने किनारे पर ग्राम कटराईं, 15 मील बड़ाग्रां बिहाल और आसपास के क्षेत्रों के लिए बाढ़ सुरक्षा कार्यों की आधारशिलाएं भी रखीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार के कुप्रबंधन के कारण हिमाचल को वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, लेकिन इसके बावजूद राज्य सरकार ने केवल एक वर्ष के भीतर अर्थव्यवस्था को सफलतापूर्वक पुनर्जीवित किया है और आर्थिकी में 20 प्रतिशत का उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

बंदरोल सब्जी मंडी का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि 2023 में हिमाचल प्रदेश के लोगों ने आपदा का बहादुरी से सामना किया। उन्होंने कहा वित्तीय चुनौतियों के बावजूद, राज्य सरकार ने नियमों में बदलाव कर प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जन सेवा के लिए पूरी तरह समर्पित है और यह प्रतिबद्धता सरकार द्वारा आपदा प्रभावितों की सहायता के लिए लाए गए 4,500 करोड़ रुपये के विशेष राहत पैकेज से स्पष्ट झलकती है।

इस राहत पैकेज के तहत पूरी तरह से क्षतिग्रस्त मकानों के लिए मुआवजा 1.30 लाख रुपये से साढ़े पांच गुना बढ़ाकर 7 लाख रुपये किया गया है और कच्चे मकानों को आंशिक क्षति के मामले में मुआवजा 25 गुना बढ़ाकर 1 लाख रुपये किया गया है। इसी प्रकार पक्के मकानों के लिए मुआवजा 15.5 गुणा बढ़ाया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा के दौरान वह तीन दिन तक स्वयं कुल्लू में रहे और 48 घण्टे के भीतर आवश्यक सेवाएं अस्थाई रूप से बहाल की गईं। प्रदेश सरकार ने 75 हजार पर्यटकों और 15 हजार वाहनों को सुरक्षित बाहर निकाला। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के बावजूद मुख्य पर्यटक स्थलों जैसे शिमला, मनाली और धर्मशाला में प्रदेश सरकार के सकारात्मक प्रयासों से पर्यटकों की संख्या में बढ़ौतरी दर्ज की गई है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यटकों को हर प्रकार की सुविधा प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि मनाली और अन्य क्षेत्रों में ट्रैफिक जाम को लेकर गलत सूचनाएं फैलाई जा रही हैं, जोकि पूरी तरह से निराधार हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को आत्मनिर्भर राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश पर ऋण के बोझ व सरकारी कर्मचारियों की लगभग 10 हजार करोड़ रुपये की देनदारियों के बावजूद एक वर्ष के दौरान प्रदेश की आर्थिकी में आशातीत सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को आगामी चार वर्षों में आत्मनिर्भर राज्य बनाने और एक दशक के भीतर देश का सबसे समृद्ध राज्य बनाने के लिए सशक्त प्रयास कर रही है।

ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार ने पिछले साल नव वर्ष के अवसर पर मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना की घोषणा की थी, जिसे कार्यान्वित कर दिया गया है।

इस वर्ष सरकार ने दिव्यांग बच्चों को शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध करवाने के लिए नई योजना आरम्भ करने की घोषणा की है। इसके तहत प्रदेश में एक एकीकृत विश्व स्तरीय शैक्षणिक संस्थान खोला जाएगा। इस संस्थान में दिव्यांग छात्रों को आधारभूत स्कूली शिक्षा और महाविद्यालय स्तर की उच्च शिक्षा भी प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त छात्रों को खेलों के क्षेत्र में प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा ताकि वह पैरा ओलम्पिक्स व अन्य खेल आयोजनों में सहभागिता सुनिश्चित कर सकें।

उन्होंने कहा कि नव वर्ष के अवसर पर प्रदेश सरकार ने राज्य के युवाओं के लिए सौर ऊर्जा क्षेत्र में राजीव गांधी स्वरोज़गार स्टार्ट-अप योजना के चरण-2 को शुरू करने का भी निर्णय लिया है।

इससे पहले, मनाली आगमन पर विभिन्न स्थानों पर लोगों ने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया।

इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह, विधायक भुवनेश्वर गौड़, पूर्व मंत्री खीमी राम, पूर्व विधायक रघुबीर सिंह, जिला कांग्रेस अध्यक्ष सेसराम आजाद, एपीएमसी कुल्लू के अध्यक्ष राम सिंह मियां, एपीएमसी मण्डी के अध्यक्ष संजीव गुलेरिया, उपायुक्त आशुतोष गर्ग, पुलिस अधीक्षक साक्षी वर्मा और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

केंद्र सरकार ट्रांसपोर्टरों पर थोपे गए नए कानून को वापस नहीं लेती तो ट्रक यूनियन अपनी गाड़ियों चक्का करेगी जामः- यशपाल पप्पू

बेबाक रघुनाथ शर्मा . नूरपूर

केंद्र सरकार द्वारा पास किए गए नए मोटर वाहन कानून के विरोध में रविवार शाम ट्रक यूनियन जसूर ने जमकर विरोध किया! इस विरोध प्रदर्शन में सैकड़ो ट्रक मालिकों ने भाग लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और लागू किये गए नादिराशाही कानून को वापस लेने की जोरदार मांग की। इस मौके पर ट्रक यूनियन के प्रधान यशपाल पप्पू ने बोलते हुए कहा कि केंद्र सरकार अगर इस कानून को वापस नहीं लेते तो ट्रक यूनियन जसूर एक से तारीख तक अपनी गाड़ियों को

चक्का जाम रखेंगे !उसके पश्चात ट्रक यूनियन के सदस्य एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर अगली रणनीति पर विचार करेंगे! प्रधान ने बताया कि जसूर ट्रक यूनियन में लगभग 350 ट्रक हैं !कहा कि वाहन चालकों के खिलाफ जो कानून संसद में पारित किए गए हैं! उसके विरोध में जसूर ट्रक यूनियन एकजुट होकर प्रदर्शन करेगी प्रधान ने कहा कि यह कानून केवल ट्रक चालकों के लिए नहीं है बल्कि उन सभी चालकों के लिए जो वाहन चलाते हैं! नये कानून के तहत हिट एंड रन मामले में 7 लाख रुपये तक का जुर्माना व 10 साल की कैद का प्रावधान है।कहा कि अगर दुर्घटना के समय वाहन चालक वही रुकता है तो उसको भीड़ से जान का खतरा रहता है व ऐसे मामलों में अक्सर ड्राइवर भीड़ का शिकार हो करके रह जाता है।कहा कि देश मे 80 प्रतिशत लोग छोटे से लेकर बड़े वाहन चलाते है। उन्होंने सभी लोगों से आग्रह किया है कि इस कानून के खिलाफ केंद्र सरकार गंभीरता से विचार करें और इस कानून को जनहित में वापस लेने का प्रयास करें ! इस मौके पर ट्रक यूनियन जसूर के महेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह, शमशेर सिंह ,हरनाम सिंह बिल्ला ,मिलन सिंह, रविंद्र सिंह ,जतिंदर सिंह ,नरेंद्र सिंह ,सहित काफी संख्या में ट्रक मालिक मौजूद रहे।

कैप्टन मृदुल शर्मा की शहादत को सदैव याद रखेंगे देशवासीः सुनील शर्मा बिट्टू

प्रचण्ड समय . हमीरपुर

सेना मैडल (शौर्य) से अलंकृत शहीद कैप्टन मृदुल शर्मा के शहीदी दिवस पर सोमवार को उन्हें हमीरपुर में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शहीद कैप्टन मृदुल शर्मा चौक पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू, उपायुक्त हेमराज बैरवा, एसपी डॉ. आकृति शर्मा, सहायक आयुक्त पवन कुमार शर्मा, कैप्टन मृदुल शर्मा के भाई डॉ. मुकुल शर्मा, भूतपूर्व सैन्य अधिकारियों एवं सैनिकों, कांग्रेस के पदाधिकारियों, नगर परिषद के पार्षदों और शहर के अन्य गणमान्य नागरिकों ने कैप्टन मृदुल शर्मा के स्मारक पर पुष्प अर्पित करके भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

देश के लिए कैप्टन मृदुल शर्मा के सर्वोच्च बलिदान का स्मरण करते हुए सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा कि समस्त देशवासी उनकी शहादत को सदैव याद रखेंगे और प्रत्येक हमीरपुरवासी के लिए यह गौरव की बात है कि कैप्टन मृदुल शर्मा इस वीरभूमि के सपूत थे। कैप्टन मृदुल शर्मा एक जनवरी 2004 को जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में बहादुरी के साथ लड़ते हुए शहीद हो गए थे। इस अदम्य साहस के लिए उन्हें मरणोपरांत सेना मैडल (शौर्य) से अलंकृत किया गया था।

मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार ने बताया कि हमीरपुर में निर्माणाधीन युद्ध स्मारक के कार्य को गति प्रदान की जाएगी और इसे भव्य रूप दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सैनिक बहुल जिला हमीरपुर के लगभग 350 शहीद सैनिकों के नाम इस स्मारक में अंकित किए जाएंगे।

कांग्रेस ने हमारा हक़ छीनने की हर संभव कोशिश की लेकिन हमें रोक नहीं पाए : बलदेव तोमर

प्रचण्ड समय . शिमला

सिलाई के विधायक रहे बलदेव तोमर ने हाटी समुदाय को एसटी का दर्जा दिये जाने की अधिसूचना जारी होने पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि छह दशक से ज़्यादा लंबी लड़ाई आज निर्णायक स्थिति में पहुंची और हमें हमार हक़ मिला। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री के हर प्रकार के सहयोग और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के आशीर्वाद के बिना असंभव थी। कांग्रेस ने हमें हमारे हक़ से दूर रखने का हर संभव प्रयास किया। राष्ट्रपति महोदया द्वारा क़ानून पास होने के बाद भी उसे पांच महीनें तक लटकाए रखा। जिस स्पष्टीकरण की मांग को लेकर यह बिल अटकाया गया था उसका पूरास्पष्टीकरण जयराम सरकार के समय बनाए गए ड्राफ्ट में मौजूद था। सरकार की इस लेट लतीफ़ी की वजह से हज़ारों युवाओं के भविष्य साथ खिलवाड़ हुआ। हाटी समुदाय को जनजातीय घोषित करने से इस क्षेत्र की ढाई लाख लोग लाभान्वित होंगे।

बलदेव तोमर ने कहा कि यह लड़ाई इतनी आसान नहीं थी। जो हक़ राजनीतिक रसूख़ कारण जौनसार बाबर को 56 साल पहले मिल गया था, वह हमें बीजेपी के कारण आज जाकर मिला है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीपी नड्डा, पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर सभी का आभार जताते हुए कहा कि सभी के सहयोग के बिना यह लड़ाई संभव नहीं थी।

जयराम सरकार में शुरू हुआ युद्ध स्तर पर काम और मिली मंज़िल

बलदेव तोमर ने कहा कि गिरिपार क्षेत्र को जनजातीय दर्जा देने की पहल बीजेपी ने शुरू की थी। गिरिपार की कठिन परिस्थिति को देखते हुए सबसे पहले 2009 के घोषणापत्र में शामिल किया और अब इसे अंजाम तक पहुंचाया। गिरिपार क्षेत्र को जनजातीय दर्जा देने की दिशा में सबसे अहम कार्य वर्ष 2017 में जयराम सरकार ने किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशानुसार हिमाचल प्रदेश में तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में जयराम ठाकुर ने एक नोडल एजेंसी का गठन किया। जिसमें अहम भूमिका अदा करते हुए सभी शोध पत्रों को एकत्रित कर क्षेत्र की सामाजिक, राजनैतिक और आर्थिक स्तर पर हर पहलू को

जांचा परखा और वर्ष 2021 में तत्काल इस रिपोर्ट को हिमाचल प्रदेश की कैबिनेट द्वारा केंद्र सरकार को भेजा गया। जिस पर गृह मंत्री अमित शाह द्वारा तुरंत संज्ञान लेते हुए रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया को तत्काल कार्यवाही कर हाटी जनजाति को 13 अप्रैल 2022 को एक कबीले के रूप में पंजीकृत किया। इसके बाद 16 दिसंबर 2022 को केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा से 26 जुलाई 2023 को राज्यसभा से भी पारित होने के बाद 04 अगस्त को राष्ट्रपति महोदया द्वारा अनुमोदित कर दिया गया।

56 साल पहले मिल जाना चाहिए था हक़

बलदेव तोमर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के जिला सिरमौर का गिरीपार क्षेत्र भौगोलिक रूप से अत्यंत दुर्गम क्षेत्र है। इस क्षेत्र में मुख्य रूप से हार्टी समुदाय के लोग रहते हैं।

भौगोलिक रूप से दुर्गम इस क्षेत्र के लोगों की 57 वर्षों से यह मांग थी कि गिरिपार क्षेत्रों को जनजाति क्षेत्र घोषित किया जाए क्योंकि यह कबीला उन सभी मानकों को पूरा करता है जो जनजातीय क्षेत्र घोषित करने के लिए अपरिहार्य हैं।

लेकिन तत्कालीन सरकारों के द्वारा कोई प्रयास नहीं किया गया। जबकि उसी से सटे हुए क्षेत्र जौनसार बावर के जौनसारी समुदाय को जनजातीय दर्जा मिल गया था।

उन्होंने कहा हाटी समुदाय को यह दर्जा 1968 में ही मिल जाना चाहिए था जब उत्तराखंड के जौनसार बावर के जौनसारी समुदाय को मिला था क्योंकि हाटी समुदाय और जौनसारी समुदायों के बीच सामाजिक, सांस्कृतिक के साथ ही भौगोलिक समानता भी थी। तब गिरिपार के साथ अन्याय हुआ था।

कड़ाके की ठंड में कैसे रखें अपनी सेहत का ध्यान? डॉक्टरों से जानें

देश के कई इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। तापमान 10 डिग्री से नीचे चला गया है। इस ठंड के मौसम में कई तरह की डिजीज बढ़ जाती हैं। सबसे ज्यादा परेशानी सर्दी, खांसी और बुखार की होती है। इनसे बचने के लिए ठंड के मौसम में खान-पान पर भी ध्यान देने की जरूरत है। लेकिन इस मौसम में खानपान कैसा होना चाहिए। आइए आयुर्वेद के नजरिए से इसको जानते हैं। आयुर्वेद में फिट रहने के लिए हमें हर मौसम के गुणों और दोष यानी वात, पित्त और कफ पर उनके प्रभाव के बारे में जानना जरूरी होता है। सर्दियों में इस मौसम के हिसाब से ही खानपान करना बेहतर होता है। अगर आपने अपने खान पान को लेकर कोई लापरवाही की तो इससे सेहत बिगड़ सकती है।

आयुर्वेद में बताया गया है कि इस मौसम में शरीर को गर्म रखने वाली चीजें खानी चाहिए। आयुर्वेद की डॉ। चंचल शर्मा बताती हैं कि इस मौसम में खानपान का संतुलित होना जरूरी है। सर्दियों में भूख ज्यादा लगती है और खाना भी गर्मियों की तुलना में जल्दी पच जाता है। सर्दियों के इस मौसम में वात और कफ बढ़े हुए होते हैं। इस मौसम में सांस की समस्या, जोड़ों में दर्द के मरीजों की तादाद भी बढ़ जाती है। ऐसे में इन बीमारियों से बचाव जरूरी है। आयुर्वेद में इस तरह की बीमारियों से बचाव के लिए डाइट बताई गई है।

इस मौसम में क्या डाइट लें ?

डॉ चंचल बताती है कि सर्दी में लोगों को अपनी डाइट में ज्वार, पालक, पत्ता गोभी, फूलगोभी, गाजर, अदरक, लहसुन को शामिल करना चाहिए। इस मौसम में उड़द की दाल और मूंग का सेवन करें। फलों में सेब, अमरूद और आंवला खाना चाहिए। इसके साथ ही डाइट में ड्राई फ्रूट जरूर शामिल करे। इस मौसम में काजू, बादाम और तिल खाना सेहतमंद होता है। कोशिश करें कि रोजाना हल्का गर्म पानी पीएं औक चाय में अदरक और तुलसी जरूर डालें योग करें

सर्दियों में योग का भी काफी महत्व है। आपको रोज 10 से 15 मिनट योग जरूर करना है। इस मौसम में धूप में भी बैठना चाहिए। इससे शरीर को विटामिन डी मिलता है। सरसों व तिलों के तेल से मालिश भी ठंड से बचाने में काफी मददगार होती है और इससे नींद भी अच्छी जाती है। योग करने के लिए सुबह का समय अच्छा होता है। सुबह फ्रेश होने के बाद आप योग करें और अपनी डाइट को फॉलो करें। ऐसा करने से सर्दियों में कई तरह की बीमारियों से आसानी से बचाव हो जाएगा।

सर्वाइकल कैंसर के इन लक्षणों को इग्नोर कर देती हैं महिलाएं, डॉक्टर से जानें पहचान के तरीके

सर्वाइकल कैंसर भारत में तेजी से बढ़ती हुई बीमारी है। ये कैंसर महिलाओं को होता है और ये उनमें होने वाला दूसरा सबसे आम कैंसर है। इस कैंसर से हर 8 मिनट में 1 महिला की जान चली जाती है। ये कैंसर ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) नाम के वायरस की वजह से होता है। कई मामलों में ये वायरस खुद ही खत्म हो जाता है, लेकिन कुछ मामलों में ये वायरस सर्वाइकल कैंसर का कारण बनता है। कमजोर इम्यूनिटी वाली महिलाओं मे इस कैंसर का रिस्क ज्यादा होता है। महिलाओं को इस कैंसर के शुरुआती लक्षणों की भी जानकारी नहीं होती है। इस वजह से ये बीमारी बढ़ती रहती है और कुछ सालों बाद कैंसर बन जाती है। आज भी भारत में इस बीमारी के कई मामले अंतिम स्टेज में आते हैं। इस कारण बीमारी का इलाज भी मुश्किल हो जाता है।

आइए डॉक्टर से इस कैंसर के लक्षण, कारण और बचाव के बारे में डिटेल में जानते हैं। इसको जानने के लिए हमने सफदरजंग हॉस्पिटल में गायनेकोलॉजिस्ट डॉ। सलोनी चड्ढा से बातचीत की है।

क्या है सर्वाइकल कैंसर

डॉ सलोनी बताती हैं किजब किसी व्यक्ति के शरीर में सेल्स अनियंत्रित तरीके से बढ़ने लगती है तो कैंसर होता है। कैंसर शरीर के जिस हिस्से में होता है उसे उसी नाम से जाना जाता है। जब कैंसर किसी महिला के गर्भाशय ग्रीवा में होता है तो उसे सर्वाइकल कैंसर कहते हैं। आम भाषा में इसे बच्चेदानी के मुंह का कैंसर भी कहते हैं। एचपीवी वायरस, असुरक्षित यौन संबंध और यौन बीमारियां जैसे सिफलिस, गोनोरिया के कारण भी सर्वाइकल कैंसर का जोखिम बढ़ जाता है।

क्या होते हैं शुरुआती लक्षण

डॉ सलोनी बताती हैं कि जिन महिलाओं को पीरियड्स समय पर न आना, प्राइवेट पार्ट से दुर्गंधयुक्त स्राव और पैल्विक एरिया में लगातार दर्द बने रहना इस कैंसर के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। इन लक्षणों को किसी भी महिला को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अगर किसी महिला को ये परेशानी हो रही है तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। अगर शुरू में ही बीमारी की पहचान हो गई तो इसका आसानी से इलाज किया जा सकता है।

कम उम्र में भी हो सकता है कैंसर

अधिकतर मामलों में सर्वाइकल कैंसर के केस 40 साल से अधिक उम्र की महिलाओं में आते हैं, लेकिन आज के समय में कम उम्र में भी ये कैंसर हो सकता है। खराब लाइफस्टाइल, खानपान की गलत आदतों और मेंटल स्ट्रेस कैंसर का एक बड़ा कारण है। ऐसे में जरूरी है कि लोग अपनी सेहत का ध्यान रखें।

क्या हैं बचाव

इस कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीका लगता है। 9-14 वर्ष की लड़कियां को यह टीका लगवाना चाहिए। यह कैंसर और जननांग मस्सों का कारण बनने वाले एचपीवी वायरस के संक्रमण को रोकता है। फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया 9-14 वर्ष की लड़कियों के लिए 2 खुराक की सिफारिश करती है।

अच्छी बात यह है कि भारत सरकार ने 9-26 आयु वर्ग के पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए सर्व वैक वैक्सीन (CERVAVAC Vaccine) को मंजूरी दे दी है। यह स्वदेशी टीका है। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने इसको बनाया है।

खेती में भी क्रांति... क्या है इलेक्ट्रॉनिक मिट्टी, जिससे 15 दिन में दोगुनी होगी फसल की पैदावार?

वैज्ञानिकों ने अब इलेक्ट्रॉनिक मिट्टी यानी eSoil को विकसित कर लिया है। उनका दावा है कि यह मिट्टी खेती के क्षेत्र में बड़ा बदलाव ला सकती है। इसे विकसित करने वाली स्वीडन की लिनकोपिंग यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों का दावा है कि eSoil की मदद से मात्र 15 दिन के अंदर फसल की उपज को दोगुना किया जा सकता है। PNAS जर्नल में पब्लिश रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक, ई-सॉइल के जरिए अब शहरों में भी खेती की जा सकेगी। खराब मौसम के बावजूद खेती संभव होगी।

लिंकोपिंग यूनिवर्सिटी की एसोसिएट प्रोफेसर एलेनी ने इस मिट्टी का प्रयोग जौ के पौधे पर किया, जिसमें चौंकाने वाले नतीजे सामने आए हैं। जानिए क्या है eSoil और इसमें ऐसा क्या है जिससे फसल 15 दिन में दोगनी हो गई।

क्या है इलेक्ट्रॉनिक मिट्टी?

वैज्ञानिकों का दावा है कि उन्होंने इस तरह की मिट्टी विकसित की है जो सामान्य मिट्टी से ज्यादा उपजाऊ है। इसमें पौधे तेजी से बढ़ते हैं। वैज्ञानिकों ने मिट्टी को ऐसे तैयार किया है जिससे उनमें

बिजली प्रवाहित करके खेती के लिए इस्तेमाल किया जा सके। इसे उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक मिट्टी का नाम दिया है।

रिसर्च से जुड़े शोधकर्ताओं का मानना है कि दुनिया की आबादी तेजी से बढ़ रही है। दुनिया जलवायु परिवर्तन से गुजर रही है। भविष्य में खेती के मौजूदा तरीकों से फसल उगाना पर्याप्त नहीं होगा। ऐसे में ये तरीके काफी कारगर साबित होंगे।

कैसे किया प्रयोग?

वैज्ञानिकों ने इलेक्ट्रॉनिक मिट्टी का प्रयोग जौ के पौधे पर किया है। जिसमें विद्युत का प्रयोग रूट सिस्टम पर किया गया है। इसका प्रयोग पानी में पौधों को उगाने की विधि पर किया गया है, जिसे हाइड्रोपोनिक्स कहते हैं।हाइड्रोपोनिक्स पौधों को उगाने का वो तरीका है जिसमें पानी की बहुत कम जरूरत होती है।

वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि जौ, हर्ब और कुछ सब्जियों को पहले ही इस विधि से उगाया जा रहा है। रिसर्च में शोधकर्ताओं ने साबित किया है कि जौ को न सिर्फ इस विधि के जरिए उगया जा सकता है बल्कि इलेक्ट्रिकल स्ट्रिमुलेशन के जरिए उनकी बढ़त पर भी सकारात्मक असर डाला जा सकता है। यानी उनकी ग्रोथ को बढ़ाया जा सकता है।

कैसे बनाई गई इलेक्ट्रॉनिक मिट्टी?

eSoil को सेल्युलोज से बनाया गया है। यह एक बायोपॉलिमर है। जिसमें इलेक्ट्रिकल स्ट्रिमुलेशन गुजारा गया। रिसर्च में सामने आया कि यह बहुत कम एनर्जी का इस्तेमाल करती है और इससे हाई वोल्टेज का खतरा नहीं होता है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि नई स्टडी ने हाइड्रोपोनिक तकनीक से खेती को बढ़ावा देने के लिए नए रास्ते खोले हैं। इस रिसर्च की मदद से फसल की उपज का दायरा बढ़ाया जा सकेगा। हो सकता है कि यह फूड सिक्योरटी का बहुत बड़ा हल न दे पाए, लेकिन ऐसी जगहों के लिए बड़ी राहत देने वाली तकनीक बनेगी जहां का वातावरण खेती करने लायक नहीं है या फिर खेती करने लायक प्राकृतिक मिट्टी नहीं है।

क्या भारत के जंगी जहाज INS इंफाल को टक्कर दे पाएंगे चीन और पाकिस्तान?

आईएनएस इंफाल एक ऐसा नाम है, जिसे सुनकर भारत के दो पड़ोसी देशों चीन और पाकिस्तान की नींद उड़ चुकी है। भारतीय नौसेना में शामिल यह वॉरशिप पड़ोसी देशों को न केवल चुनौती देने में सक्षम है, बल्कि उनकी साजिशों का पर्दाफाश भी कर सकता है। यह गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर सरफेस टू सरफेस सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइल और मीडियम रेंज सरफेस टू एयर बराक-8 मिसाइल से लैस है।

आईएनएस इंफाल की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसमें एंटी सबमरीन हथियार ही नहीं, उनका पता लगाने वाले खास सेंसर भी हैं, जो चीन और पाकिस्तान की पनडुब्बियों का आसानी से पता चलाकर उन्हें डुबा सकता है। ऐसे में सवाल है कि भारतीय वॉरशिप का मुकाबला करने के लिए चीन और पाकिस्तान के पास क्या है?

संख्या बल में ज्यादा फिर भी मुंह की खाएगा चीन

नौसेना की कुल ताकत की बात करें तो चीन की नौसेना दुनिया में सबसे बड़ी है। उसके पास 41 से ज्यादा विध्वंसक हैं। 2022 में अमेरिका की ओर से जारी रिपोर्ट में बताया गया था कि चीन के पास 340 वॉरशिप हैं और दो साल में इनकी संख्या बढ़कर पांच सौ तक हो सकती है। संख्या बल में भी चीन काफी आगे हैं। भारत दुनिया की सातवीं सबसे बड़ी नौसेना है। पर, संख्या में कम होने के बावजूद भारत तकनीकी तौर पर कहीं आगे हैं।

आईएनएस इंफाल ने भारत को और मजबूती दी है। अरब सागर में रहकर यह चीन और पाकिस्तान, दोनों पर नजर रखने में कामयाब होगा। 75 फीसदी स्वदेशी साज-ओ-सामान से आईएनएस इंफाल जैसे विध्वंसक को तैयार किया गया है, जो भारत में बने सबसे शक्तिशाली युद्धपोतों में से एक है। आत्मनिर्भर भारत अभियान को तो इससे बढ़ावा मिलेगा ही, इसकी विशेषताओं के आगे दुश्मन की संख्या भी धरी की धरी रह जाएगी।

पाकिस्तानी नौसेना यूं भी कहीं नहीं ठहरती

भारत के आगे पाकिस्तानी नौसेना यूं भी कहीं नहीं ठहरती। चार बार घोषित युद्धों में पाकिस्तानी नौसेना मुंह की खा चुकी है। अघोषित अनेक विवादों में भी आए दिन भारतीय नौसैनिकों से पिटती है। पाकिस्तान की नौसेना के पास जो कुछ भी है, वह चीन से मिली हुई ताकत है। चीन अपने पुराने पोत, जहाज, हथियार अक्सर ही पाकिस्तान को दे देता है।

पाकिस्तान के पास 30 हजार से ज्यादा नौसैनिक हैं, वहीं भारत के पास करीब 70 हजार जवान हैं। पाकिस्तान के पास रिजर्व सैनिक पांच हजार हैं तो भारत के पास 75 हजार हैं। पाकिस्तान के पास 114 जहाज तथा 73 विमान उपलब्ध हैं तो भारत के पास दो एयरक्राफ्ट कैरियर, तीन सौ से ज्यादा एयरक्राफ्ट, डेढ़ सौ से ज्यादा जंगी जहाज और सबमरीन हैं। सब अत्याधुनिक हथियारों से लैस हैं।

सागर में सीना तानकर खड़ा होगा आईएनएस इंफाल

भारत के पूर्वोत्तर को लेकर चीन हमेशा से चालाकी का सहारा लेता है। उसकी इसी हरकत के मद्देनजर शायद इस विध्वंसक का नाम मणिपुर की राजधानी इंफाल के नाम पर रखा गया है। यह आजादी के दीवानों को श्रद्धांजलि देने का संकेत है तो पूर्वोत्तर राज्यों के लिए संदेश भी। यह चीन के लिए भी संदेश है। चीन हमेशा से अपनी परमाणु पनडुब्बियों पर इतराता रहा है पर अब सागर में उसके सामने खड़ा होगा आईएनएस इंफाल। इसमें पनडुब्बियों का मुकाबला करने के लिए स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर और 76 एमएम की सुपर रैपिड गन भी लगी है।

परमाणु से लेकर केमिकल वार तक में करेगा रक्षा

भारत का यह गौरवशाली जहाज एटॉमिक, बॉयोलॉजिकल और केमिकल वार की स्थिति में भी अपने देश की रक्षा करेगा। दुश्मन ने हवा से हमला किया तो इसमें लगी मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार गिराने वाली मिसाइलें मुंहतोड़ जवाब देंगी। वॉरशिप के जरिए दुश्मन ने आगे बढ़ने की कोशिश की तो एंटी वॉरशिप मिसाइलें और टॉरपीडो उनके सामने खड़े होंगे। आईएनएस इंफाल में लगाई गई ब्रह्मोस मिसाइल तो 90 डिग्री पर घूमकर चीन-पाकिस्तान के जंगी जहाजों के होश उड़ा देगी।

दुश्मन नहीं खोज पाएगा आईएनएस इंफाल के सेंसर

सबसे अहम बात तो यह है कि आईएनएस इंफाल में लगे अत्याधुनिक सेंसर दुश्मन के जहाजों और पनडुब्बियों का ही पता नहीं लगा सकते हैं, बल्कि उनके हथियारों को भी खोज निकालने में सक्षम हैं। इससे भी एक कदम आगे बढ़कर इसकी एक और खासियत है कि इन सेंसर को खोज पाना दुश्मनों के लिए लगभग असंभव है।

चीन के जासूसी जहाजों को मिलेगी चुनौती

दरअसल, भारत के लिए आईएनएस इंफाल जैसा विध्वंसक इसलिए भी जरूरी थी, क्योंकि चीन हर वक्त हिन्द महासागर में सात-आठ जासूसी जहाज तैनात रखता है। पाकिस्तान की नौसेना को भी चीन मजबूत करता रहता है। यह भी आशंका जताई जा चुकी है कि वह हिन्द महासागर में कैरियर बैटल ग्रुप की भी तैनाती कर सकता है। इससे निपटने के लिए आईएनएस इंफाल अब सीना तानकर खड़ा होगा, क्योंकि इसने भारतीय नौसेना की ताकत कई गुना बढ़ा दी है।

एक बार में डेढ़ महीने तक सागर की रक्षा करेगा

आईएनएस इंफाल अपने दम पर लगातार 45 दिनों तक समुद्र में रह सकता है। अगर यह 33 किमी प्रतिघंटा की स्पीड से चले तो 15 हजार किमी का सफर तय कर लेगा। यानी समुद्र के चप्पे-चप्पे पर इसकी नजर होगी। फिर इसमें एक साथ तैनात 16 ब्रह्मोस एंटी वॉरशिप मिसाइलें करीब तीन हजार किमी प्रतिघंटे की स्पीड से दुश्मन के बेड़े पर हमला करेंगी तो बड़े-बड़ों के छक्के छूट जाएंगे। दुश्मन और करीब आ गया तो 50 से 70 किमी तक वार करने में सक्षम बराक-8 मिसाइलें उसे उड़ा देंगी। ऐसी 32 मिसाइलें आईएनएस इंफाल अपने साथ लेकर चलेगा। दुश्मन की पनडुब्बियों के लिए इसमें चार टारपीडो ट्यूब हैं तो दो एंटी-सबमैरीन रॉकेट लांचर भी, जो किसी भी पनडुब्बी को ढूंढ़कर उसका नाम-ओ-निशां मिटा देंगे।

इस तरह यह कहा जा सकता है कि भारत का नया युद्धपोत INS इंफाल नौसेना के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा। यह आत्मनिर्भर भारत का प्रतिनिधित्व करता है तो अत्याधुनिक हथियारों से भी लैस है। इसमें तकनीक के साथ जबरदस्त जुगलबंदी देखने को मिल रही है। चीन की नौसेना भले ही दुनिया की सबसे बड़ी सेना के रूप में दर्ज है लेकिन वारशिप के मामले में भारत कमजोर नहीं है। भारत की ओर देखने के पहले चीन कई बार सोचेगा।

बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया संग जाह्नवी कपूर ने अपने रिश्ते को किया कंफर्म? 'कॉफी विद करण 8' में खोले राज

मुंबई। करण जौहर ने 'कॉफी विद करण 8' के अपकमिंग एपिसोड का शानदार प्रोमो शेयर किया है। इस बार नए साल 2024 के पहले एपिसोड में बी टाउन की पॉपुलर कपूर सिस्टर्स नजर आने वाली है। करण जौहर के टॉक शो 'कॉफी विद करण 8' में जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर मेहमान बन धमाका करने को तैयार हैं। 'कॉफी विद करण 8' के प्रोमो में जाह्नवी कपूर ने खुलासा कर दिया है कि वो अपने बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया को डेट कर रही हैं। इस बीच एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर, करण जौहर से बातों ही बातों में कुछ ऐसा कह देती हैं, जिसे सुन खुशी कपूर भी हैरान हो जाती हैं।

शिखर पहाड़िया-जाह्नवी कपूर के रिश्ते पर खुलासा

प्रोमो की शुरुआत में जाह्नवी कपूर कहती है कि, 'कल रात पार्टी में मैं लोगों से रैपिड फायर राउंड के सावल पूछने के लिए घूम रही थी। वहीं नव्या नवेली नंदा ने कहा, 'मत जाओ।'

बाद में क्लिप में, करण जौहर ने जाह्नवी से अपने स्पीड डायल पर तीन लोगों के नाम बताने को कहा और अपने जवाब से एक्ट्रेस ने कंफर्म कर दिया कि वो शिखर पहाड़िया को डेट कर रही हैं।

जाह्नवी कपूर के थे इतने बॉयफ्रेंड

करण ने कहा, 'अपनी स्पीड-डायल लिस्ट से तीन लोगों के नाम बताएं।' जाह्नवी कपूर ने तुरंत जवाब दिया, 'पापा, खुशू और शिकू।' ये बोलते ही जाह्नवी को तुरंत एहसास होता कि उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया का नाम भी ले लिया है और तभी खुशी कपूर, करण जौहर जोर से हंसने लगते है। उसी गेम के दौरान करण ने खुशी से जाह्नवी के पिछले रिश्तों के बारे में पूछा। जाह्नवी ने खुशी से कहा, 'मैंने केवल तीन लड़कों को डेट किया है पर तुम नाम मत बोलना।'

जाह्नवी कपूर का वर्कफ्रंट

जाह्नवी कपूर हाल ही में वह वरुण धवन के साथ फिल्म 'बवाल' में नजर आई थीं। इसके अलावा एक्ट्रेस ने 'मिली', 'गुडलक जेरी', 'गुंजन सक्सेनाः द कारगिल गर्ल' जैसी फिल्मों के जरिए एक्ट्रेस ने खूब नाम कमाया।

जॉन अब्राहम ने मुंबई में खरीदा 75 करोड़ रुपये का बंगला, जानिए कौन था इस मकान का मालिक

मुंबई। अपनी फिटनेस और दमदार जोरदार एक्शन के लिए पहचाने जाने वाले जॉन अब्राहम ने नए साल में खुद को बेशकीमती तोहफा दिया है। जॉन अब्राहम हमेशा अपनी बाइक के शानदार कलेक्शन को लेकर चर्चा में रहते हैं। वहीं इस बार जॉन अपनी बाइक नहीं बल्कि नए घर की हैरान कर देने वाली कीमत की वजह से लाइमलाइट में बने हुए हैं। नया साल 2024 का पहला दिन जॉन अब्राहम के लिए काफी खास रहा है। जॉन अब्राहम ने 2024 मुंबई के खार एरिया में 70.83 करोड़ रुपयों का एक आलीशान बंगला खरीदा है।

जॉन अब्राहम ने खरीदा 75 करोड़ का बंगला

जॉन अब्राहम के बंगले की कीमत 70.83 करोड़ रुपये बताई जा रही है, जिसे खरीदने के लिए जॉन ने 4 करोड़ रुपये की स्टाम्प ड्यूटी चुकाई है। जॉन अब्राहम ने 27 दिसंबर 2023 को बंगला खरीदने के लिए एग्रीमेंट पेपर्स साइन किए थे। जॉन अब्राहम का नया बंगला मुंबई के खार इलाके की लिंकिंग रोड पर स्थित है, जिसका हाउस नंबर 372 है। एक्टर ने शहर के खार इलाके में 5,416 स्क्वायर फीट का है, जिसका कारपेट एरिया 7,722 स्क्वायर फीट का बंगला खरीदा है।

कौन था जॉन अब्राहम के बंगले का मालिक

जॉन अब्राहम का ये बंगला समुद्र किनारे है, जिसका व्यू बेहद खूबसूरत है। जॉन का ये नया बंगला खार के पॉश लिंकिंग रोड पर हैं। बेंगलुरु के एमजी रोड के बाद लिंकिंग रोड को देश में तीसरा सबसे लोकप्रिय हाई स्ट्रीट रिटेल का दर्जा दिया गया है। खार की आवासीय रियल्टी की कीमत 40,000-90,000 रुपये प्रति वर्गफुट के बीच है। इंडेक्सटैप के अनुसार, अब्राहम ने शाह परिवार के 10 सदस्यों के साथ समझौते को पंजीकृत किया। यह संपत्ति 81 वर्षीय प्रवीण नाथलाल शाह के स्वामित्व में थी, जो अब अमेरिका में रहते हैं और उनका 10 सदस्यीय का परिवार है।

जॉन अब्राहम का वर्कफ्रंट

जॉन अब्राहम को आखिरी बार शाहरुख खान फिल्म 'पठान' में देखा था। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ग्रैंड सक्सेस हासिल की थी। फिल्म में जॉन ने विलेन रोल प्ले किया था और उनके किरदार को काफी पसंद भी किया गया था।

Bigg Boss 17 से अनुराग डोभाल के बाहर आते ही एल्विश यादव के ट्वीट ने मचाई हलचल, कही ये बात

'बिग बॉस 17' में आए दिन कुछ न कुछ नया और धमाकेदार देखने को मिल रहा है। वहीं 'बिग बॉस 17' से अनुराग डोभाल बाहर हो चुके हैं। 'बिग बॉस 17' धीरे-धीरे फिनाले के करीब बढ़ रहा है। इस बीच अनुराग डोभाल के बाहर होते ही 'बिग बॉस ओटीटी 2' के विनर एल्विश यादव ने एक ट्वीट किया है, जिसने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। सलमान खान के शो के कंटेस्टेंट्स काफी लाइमलाइट में रहे हैं वहीं बाहर आकर भी कंटेस्टेंट्स खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं।

अनुराग डोभाल बिग बॉस से हुए बाहर

वीकेंड का वार में रिंकू धवन और नील भट्ट का सफर खत्म हुआ है। वहीं रविवार को अनुराग डोभाल को भी बाहर कर दिया है। वैसे जनता के वोटों के आधार पर अनुराग इतनी जल्दी बाहर नहीं होते, लेकिन तीन कप्तैनों की सहमति से उन्हें एविक्ट किया गया है। अनुराग डोभाल के फैंस और एल्विश यादव को ये बात पसंद नहीं आई। वहीं एल्विश यादव ने मेकर्स पर तंज कसा है।

एल्विश यादव का ट्वीट

एल्विश यादव ने एक ट्वीट कर अनुराग डोभाल का सपोर्ट किया है। उन्होंने अपने पुराने ट्वीट को री शेयर करते हुए लिखा, 'वाह बिग बॉस। कुछ दिनों पहले उन्होंने लिखा था, 'ऐसा क्यों लग रहा है बिग बॉस वाले अनुराग डोभाल को निकलना चाहते हैं पर ये पब्लिक वोट से तो पॉसिबल नहीं है।'

स्वामी, संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक अश्वनी वर्मा- पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार। साई कुंज, नॉर्थ ओक, संजौली, शिमला, हिमाचल प्रदेश- 171006 से प्रकाशित और डीबी कॉर्प लिमिटेड, जीटी रोड, निकट बस स्टैंड सुभानपुर, हमीरा, जिला कपूरथला, पंजाब- 144802 द्वारा मुद्रित।